



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 129]  
No. 129]नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 2009/चैत्र 6, 1931  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 2009/CHAITRA 6, 1931

## वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2009

## अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** ईयू (फ्रांस को छोड़कर), इंडोनेशिया और चीनी ताइपेई (ताइवान) के मूल के या वहां से निर्यातित कास्टिक सोडा के आयातों पर स्थानरोधी शुल्क की निर्णायिक समीक्षा।

सं. 15/11/2008-डीजीएडी.—जबकि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए दिनांक 8-1-2003 को अधिसूचना सं. 14/39/2002-डीजीएडी के द्वारा उपशीर्ष 28151110, 28151120 और 28151200 के अंतर्गत आने वाले ईयू (फ्रांस को छोड़कर), इंडोनेशिया और चीनी ताइपेई (चीनी ताइपेई) (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित कास्टिक सोडा (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी और दिनांक 27-3-2003 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 48/2003-सी.शु. के द्वारा संबद्ध वस्तु पर अनंतिम शुल्क लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2003 की अधिसूचना सं. 14/39/2002-डीजीएडी के द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे और दिनांक 14-11-2003 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 168/2003-सी.शु. के अनुसार वित्त मंत्रालय द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी को एक हितबद्ध पक्षकार से मध्यावधिक समीक्षा हेतु एक आवेदन प्राप्त हुआ था और दिनांक 3-6-2005 की अधिसूचना सं. 15-5-2005-डीजीएडी द्वारा मध्यावधि समीक्षा जांच शुरू की गई थी। मध्यावधि समीक्षा संबंधी अंतिम जांच परिणाम निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अधिसूचना सं. 15-5-2005-डीजीएडी, 2-6-2006 द्वारा जारी किए गए थे और वित्त मंत्रालय ने दिनांक 10-7-2006 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 72/2006 के द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

2. जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के लिए और उनकी ओर से अल्कली मैन्यूफैक्चरर्स एसो. ऑफ इंडिया से एक आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें निर्णयिक समीक्षा करने और ईयू (फ्रांस को छोड़कर), इंडोनेशिया और चीनी ताइपेई (चीनी ताइपेई) (जिन्हें एतद्पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित कास्टिक सोडा के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने का अनुरोध किया गया है। यह अनुरोध इन तथ्यों पर आधारित है कि इन उपायों की समाप्ति से पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और/या घरेलू उद्योग को क्षति होने की आशंका है। याचिकाकर्ता ने प्रथमदृष्ट्या साक्ष्यों के साथ यह दावा किया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और क्षति होने की संभावना है और इसमें यह अनुरोध किया गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क को आगे 5 वर्षों की अवधि के लिए जारी रखा जाए और इसे बढ़ाया जाए। प्राधिकारी ने निर्णयिक समीक्षा की जरूरत को सही साबित करने वाले सकारात्मक साक्ष्यों के आधार पर अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार दिनांक 7.3.2008 की अधिसूचना सं. 15/11/2008-डीजीएडी द्वारा निर्णयिक समीक्षा शुरू की थी जिसका उद्देश्य लागू शुल्क को जारी रखने की जरूरत की समीक्षा करना और इस बात की समीक्षा करना था कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने से पाटन के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति और क्षति होने या इन दोनों के होने की आशंका है।

#### क. प्रक्रिया

3. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्णयिक समीक्षा जांच की शुरूआत के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना मंगाने के लिए नियम 6(4) के अनुसार घरेलू उद्योग, संबद्ध देशों के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियां भेजी थीं।
- (ii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावासों को जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे अपने निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था।
- (iii) प्राधिकारी ने संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियां भेजी थीं :-
  - (1) पीटी असाहीमास केमिकल्स (एएससी)-इंडोनेशिया
  - (2) पीटी सुल्फइंडो एडिउसाहा -इंडोनेशिया
  - (3) पीटी पबरिक किरटाज जीवीकीमिया टीबीके -इंडोनेशिया
  - (4) पीटी इंडाह कियात पल्प एंड पेपर टीबीके -इंडोनेशिया
  - (5) फोरमोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन (एफपीसी) -चीनी ताइपेई
  - (6) डॉ केमिकल-ग्रीस
  - (7) सॉल्वे फ्लोर जीएमबीएच-जर्मनी
  - (8) बॉयर एजी-जर्मनी
  - (9) एनीकेम एसपीए-इटली
  - (10) बीएएसएफ एजी - जर्मनी

(iv) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया था:-

1. फोरमोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन चीनी ताइपेई
2. पीटी असाहिमास केमिकल्स-इंडोनेशिया
3. ट्राइकोन एनर्जी लिमिटेड-होस्टन

(v) वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों की व्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था और अपेक्षित सूचना डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त हुई थी तथा इस जांच में उन पर भरोसा किया गया है।

(vi) संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों ने क्षति जांच के लिए अपनी लागत और क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है।

- (1) गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लि., बड़ोदा और दाहेज
- (2) रिलांगंस इंडस्ट्रीज लि. - गंधार
- (3) एसडीईएल केमिकल कॉम्प्लैक्स - राजपुरा
- (4) डीसीएम श्रीराम कंसोलिडेटेड लि.-कोटा और झागड़िया
- (5) बिहार कॉस्टिक्स एंड केमिकल्स-झारखण्ड
- (6) ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड -नागड़ा
- (7) डीसीडब्ल्यू लि. - साहूपुरम
- (8) सोलरीज कैमटेक लि. -कारवाड़

(vii) आयातक प्रश्नावली के साथ जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए ज्ञात आयातकों और भारत में संबद्ध वस्तु के प्रयोक्ताओं को भी भेजी गई थी।

(viii) उपर्युक्त अधिसूचना के जवाब में निम्नलिखित आयातकों या प्रयोक्ताओं ने अपने अनुरोध और सूचना प्रस्तुत की है:-

(1) हिंदुस्तान यूनीलीवर लि.

(ix) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए सभी विचारों और अनुरोधों पर वर्तमान जांच से उनकी संगतता की सीमा तक विचार किया है।

(x) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षों का अगोपनीय अंश हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु एक सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रखा था।

(xi) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की उसे हुई क्षति के संबंध में और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर इष्टतम त्यादन लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत ज्ञात करने के लिए संभव सीमा

तक जांच की थी, और आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की भी जांच की थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

- (xii) नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 16.12.2008 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर भी उपलब्ध कराया था । उन पक्षकारों, जिन्होंने सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए थे, से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित अनुरोध में प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया था ।
- (xiii) जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन हेतु फिक्की, सीआईआई, एसोचैम को भी भेजी गई थी ।
- (xiv) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावे के संबंध में उसकी पर्याप्तता के बारे में जांच की गई थी । इस बात से संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक था, गोपनीयता का दर्जा प्रदान किया और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के सामने इसका खुलासा नहीं किया गया है । जहां कहीं भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।
- (xv) इस विवरण में \*\*\*\* चिन्ह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गयी सूचना को दर्शाता है ।
- (xvi) संबंधित नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों और आधारों का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष किया गया है और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत ढंग से विचार किया गया है ।
- (xvii) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पीओआई) 1 जनवरी, 2007 से 31 दिसंबर, 2007 (12 महीने) की है । तथापि, क्षति संबंधी विश्लेषण वर्ष 2004-2005, 2005-2006, 2006-07 और जांच अवधि के दौरान किया गया है ।

#### ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु:

##### ख.1 घरेलू उद्योग के विचार

4. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं:
  - (i) वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है और तदनुसार विचाराधीन उत्पाद वही उत्पाद है जैसा कि मूल जांच में परिभाषित किया गया है । इस अवधि के दौरान उत्पाद में कोई खास विकास नहीं हुआ है ।
  - (ii) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु हैं ।

## ख.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितवद्ध पक्षकारों के विचार

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में किसी भी विचाराधीन पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

## ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

6. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद कास्टिक सोडा है जिसे रासायनिक रूप से सोडियम हाइड्रोक्साइड (रासायनिक नाम NaOH) के नाम से जाना जाता है। एक समीक्षा जांच होने के कारण वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद वही उत्पाद है जो मूल जांच में था। मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सोडियम हाइड्रोक्साइड (रासायनिक नाम NaOH) है जिसे सामान्यतः कास्टिक सोडा के नाम से जाना जाता है और यह चीनी ताइपेई, इंडोनेशिया और ईर्यु (फ्रांस को छोड़कर) के मूल का अथवा वहां से निर्यातित है। कास्टिक सोडा एक अकार्बनिक साबुन जैसा अत्यधिक क्षारीय और गंधहीन रसायन है और इसका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों जैसे लुगदी और कागज, अखबारी कागज, विस्कोस यार्न, स्टेपल फाइबर, एल्यूमीनियम, सूती वस्त्र, वस्त्रों, सौन्दर्य और कपड़े धोने के साबुनों, डिटर्जेंट, लाई स्टफ्स दवाइयों और भेषजों के विनिर्माण और पेट्रोलियम सोधन आदि में किया जाता है। कास्टिक सोडा का उत्पादन 3 तकनीकी प्रक्रियाओं अर्थात् मरकरी सैल प्रक्रिया, डायफ्रैग्म प्रक्रिया और मैम्बरेन प्रक्रिया द्वारा दो रूपों अर्थात् लाई और ठोस रूप में किया जाता है। इन प्रक्रियाओं में अंतर का अर्थ विभिन्न विशेषताओं की दृष्टि से उत्पाद में अंतर होना नहीं है। कास्टिक सोडा का सीमाशुल्क शीर्ष 2815.11 और 2815.12 के अंतर्गत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 28 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। आईटीसी के 8 अंकीय वर्गीकरण के अनुसार, यह उत्पाद सीमाशुल्क शीर्ष 2815.1101, 2815.1102 और 2815.1200 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि यह वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

यह एक भली-भांति ज्ञात तथ्य है कि भारत समेत विश्व भर में कास्टिक सोडा का उत्पादन और बिक्री लाई रूप में की जाती है क्योंकि (1) कास्टिक सोडा का प्रयोग भारी मात्रा में किया जाता है इसलिए अल्प सांद्रण के कारण अधिक परिवहन लागत दिए जाने के बाद भी लाई रूप के परिवहन में खरीददार को कम वास्तविक लागत आती है (2) फ्लेक रूप के परिवर्तन में अतिरिक्त लागत आती है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि कास्टिक सोडा का ठोस रूप वहां प्रयोग किया जा सकता है जहां लाई रूप की जरूरत हो। कास्टिक सोडा का उत्पादन और बिक्री प्राथमिक रूप से लाई रूप में की जाती है क्योंकि कास्टिक सोडा का प्रयोग भारी मात्राओं में होता है। इसलिए लाई रूप के परिवहन में तरल कास्टिक सोडा के कम सांद्रण पर अधिक परिवहन लागत देने के बाद भी कम वास्तविक लागत आती है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमतों में अंतर सांद्रण में अंतर, लाई रूप में परिवहन की उच्च लागत और ठोस रूप बनाने के लिए अपेक्षित वृद्धिशील परिवर्तन लागत के कारण होता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं संबद्ध देशों में उत्पादित और निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु हैं। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं

और उपभोक्ता घरेलू रूप से उत्पादित और आयातित वस्तुओं का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच में कास्टिक सोडा के सभी रूप अर्थात् लाई और फ्लेक शामिल हैं तथा संबद्ध वस्तुओं के सभी भिन्न-भिन्न रूपों का प्रयोग प्रयोक्ता की जरूरत के अनुसार एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है । प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की प्रतिस्थापनीयता और उनके एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जाने को ध्यान में रखते हुए निर्यातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबंधित नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु मानते हैं । इसके अलावा, प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के प्रयोजनार्थ केवल डीएमटी आधार पर उचित तुलनाएं की हैं । ”

7. प्रधिकारी ने नोट किया है कि किसी भी विरोधी पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई आपत्ति नहीं की है । अतः प्राधिकारी मूल जांच में और तत्संबंधी मध्यावधि समीक्षा जांच में किए गए निर्धारण की पुष्टि करते हैं ।

#### ग. घरेलू उद्योग

##### ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

8. यह याचिका घरेलू उद्योग के लिए और उनकी ओर से अल्कली मैन्यैफैक्चरर्स एसो. आफ इंडिया द्वारा दायर की गई है और भारत में कास्टिक सोडा के सभी उत्पादक इस एसोसिएशन के सदस्य हैं । निम्नलिखित उत्पादकों ने स्पष्ट रूप से याचिका का समर्थन किया है और लागत निर्धारण तथा क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है :-

- (1) गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लि., बड़ौदा और दाहेज
- (2) रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. - गंधार
- (3) एसआईईएल केमिकल कॉम्प्लैक्स - राजपुरा
- (4) डीसीईम श्रीराम कंसोलिडेटेड लि.-कोटा और झागड़िया
- (5) बिहार कॉस्टिक्स एंड केमिकल्स-झारखण्ड
- (6) ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड -नागड़ा
- (7) डीसीडब्ल्यू लि. - साहूपुरम
- (8) सोलरीज कैमटेक लि. -कारवाड़

9. उपर्युक्त के अलावा मै. आंधा शुगर्स लि. और पंजाब अल्कलीज एंड केमिकल्स ने जांच का समर्थन किया है और नियमों के अर्थ के भीतर उन्हें अनिवार्य रूप से "घरेलू उद्योग" माना जाना चाहिए ।

10. भागीदार कंपनियों के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा (50% से अधिक) बनता है और इसलिए नियमावली के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता को "घरेलू उद्योग" माना जाना चाहिए ।

##### ग.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

11. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग के गठन में मध्यावधि समीक्षा जांच के दौरान परिवर्तन हुआ है और क्षति संबंधी जांच समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए की जानी चाहिए ।

चूंकि सभी उत्पादक एसोसिएशन के सदस्य हैं और इसलिए सभी उत्पादकों के लिए क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत की जानी चाहिए नहीं तो घरेलू उद्योग को असहयोगी घोषित किया जाना चाहिए । इसके अलावा, प्रस्तुत किए गए आंकड़ों/सूचना में असंगतता है ।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

12. प्राधिकारी ने नोट किया है कि विरोधी पक्षकारों द्वारा घरेलू उद्योग के गठन में परिवर्तन के संबंध में दिए गए तर्कों का कोई विधिक या तथ्यपूर्ण आधार नहीं है । यह नोट किया जाता है कि ऐसी कोई कानूनी अपेक्षा नहीं है कि निर्णयिक समीक्षा जांच और मूल जांच में घरेलू उद्योग का दायरा और गठन एक समान होना चाहिए । यह सिद्ध नहीं किया जा सका है कि घरेलू उद्योग के गठन में परिवर्तन के कारण जांच किस प्रकार से विकृत हुई है ।

#### घ. पाटन का निर्धारण : सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

##### घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

13. संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य का निर्धारण संबद्ध देशों के घरेलू बाजार में कास्टिक सोडा की प्रचलित कीमतों के आधार पर किया जाना चाहिए । संबद्ध देशों में प्रचलित कीमतों के आधार पर दावा किए गए सामान्य मूल्य फ्लौर अल्कली पर आधारित हैं । निर्यात कीमत का दावा आयात कीमतों के भारित औसत के आधार पर किया गया है । यह बताया गया है कि सीआईएफ आयात कीमत और कारखाना द्वारा स्तर के बीच होने वाले खर्चों को ध्यान में रखते हुए यह देखा जाएगा कि विदेशी उत्पादक पाटन जारी रखे हुए हैं ।

14. आगे यह बताया गया है कि पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से पाटन के जारी रहने की संभावना है । वास्तव में यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो पाटन में और तेजी आने की आशंका है क्योंकि प्रत्येक संबद्ध देश/क्षेत्र में उत्पादन की क्षमताएं घरेलू मांग से काफी अधिक हैं ।

##### घ.2 निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

15. मै. पीटी असाहिमास केमिकल्स (एएससी) -इंडोनेशिया और मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन (एफपीसी), चीनी ताइपेई ने यह दावा किया है कि भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु का निर्यात पाटित कीमतों पर नहीं किया गया था और उनके पास अप्रयुक्त क्षमताएं मौजूद नहीं हैं । आगे यह कहा गया है कि ऐसा कोई आधार नहीं है जिसके आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निर्धारित कर सकते हों कि संबद्ध देशों के निर्यातों से पाटन की पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है ।

##### घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

16. प्राधिकारी ने नोट किया है कि निर्णयिक समीक्षा का आवेदन अल्कली मैन्यूफक्चरर्स एसो. आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत किया गया है और संबद्ध वस्तु के सभी उत्पादक इस एसोसिएशन के सदस्य हैं । जांच और सत्यापन के लिए आंकड़े उपयुक्त पैरा ७ में उल्लिखित सदस्यों द्वारा उपलब्ध कराए गए

है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि निर्णायक समीक्षा के दौरान स्थिति की जांच करने की कोई जरूरत नहीं है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अनुसार और उत्पादक/निर्यातक द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के अनुसार पाटनरोधी नियम के पैरा 1 के अनुसार में लागत संबंधी तत्वों पर विचार किया जाना चाहिए और तदनुसार उन्होंने सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों तथा घरेलू उद्योग के भिन्न-भिन्न उत्पादकों के लिए लागत के तत्वों का परिकलन किया है।

#### घ.4 चीनी ताइपेई:

##### घ.4.1 सामान्य मूल्य

17. प्राधिकारी ने धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थीं। मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन (एफपीसी) ने निर्यातक प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत किया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है और सत्यापन दौरे के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात का सत्यापन किया है। सहयोगी निर्यातक मैसर्स फोरमोसा कार्पोरेशन (एफपीसी) ने घरेलू बाजार में बिक्री के सौदावार व्यौरों संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तुओं की घरेलू बिक्रियों को ध्यान में रखा गया है। छूट, अंतरदेशीय भाड़े, पैकिंग और ऋण संबंधी लागतों के बारे में समायोजनों का दावा किया गया है। सत्यापन के आधार पर समायोजनों के बाद सामान्य मूल्य \*\*\*\* प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित किया गया है।

##### घ.4.2 मै. फोरमोसा प्लास्टिक्स कार्पो. और मै. ट्राइकोन एनर्जी लि. होस्टन अमरीका के लिए निर्यात कीमत

18. निर्यातक ने भारत को निर्यात बिक्रियों के संबंध में सौदावार सूचना उपलब्ध कराई है। मै. ट्राइकोन एनर्जी, होस्टन, अमेरिका के माध्यम से की गई निर्यात बिक्रियों पर विचार किया गया है। मै. फारमोसा से मै. ट्राइकोन के लिए बिक्री कीमत पर निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है। निवल निर्यात कीमत की गणना करने हेतु मै.फोरमोसा प्लास्टिक कॉरपोरेशन की बिक्री कीमत में से अंतरदेशीय भाड़े, व्यापार संवर्धन शुल्क, बंदरगाह सेवा शुल्क, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, निकासी और प्रहस्तन लोडिंग और संबंधित खर्चों, पैकिंग के खर्चों, बैंक प्रभारों, परक्राम्यता ब्याज आदि को भी समायोजित किया गया है। इस प्रकार यथासत्यापित इन कटौतियों को करने के बाद निवल निर्यात कीमत को \*\*\*\*अम.डॉ. प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित किया गया है।

##### घ.4.3 असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

19. असयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के निर्यात सौदों के औसत मूल्य (लाई और ठोस) के आधार पर ज्ञात की गई है। जांच अवधि के दौरान असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित की गई है।

## घ.5 इंडोनेशिया

### घ.5.1 सामान्य मूल्य

20. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं । मै. पीटी असाहिमास केमिकल, इंडोनेशिया ने प्रश्नावली का उत्तर दिया । उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत के संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है और सत्यापन संबंधी दौरे के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इसका सत्यापन किया गया है । सहयोगी निर्यातक मै. पी.टी. असाहिमास केमिकल (एएससी) ने घरेलू बाजार में बिक्रियों के सौदावार व्यौरों संबंधी सूचना प्रस्तुत की है । घरेलू बिक्रियों के लिए बीजक तरल एम.टी. (एलएमटी) आधार पर दिए गए थे । तथापि, जांच के प्रयोजनार्थ इन्हें बदलकर शुष्क एम.टी. आधार (डीएमटी) किया गया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तुओं के सामान्य मूल्य तथा घरेलू बिक्रियों पर विचार किया गया है । छूट, अंतरदेशीय भाड़ा, टैक के किराए, रायल्टी और त्रट्टा लागत के संबंध में दाका किए गए समायोजनों की सत्यापन के पश्चात अनुमति दी गई है । यथा सत्यापित समायोजनों के बाद सामान्य मूल्य\*\*\*\* अम.डॉ. प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित किया गया है ।

### घ.5.2 मै.पीटी असाहिमास केमिकल और मै. ट्राइकोन एनर्जी लि, होस्टन, अमरीका के लिए निर्यात कीमत ।

21. निर्यातक ने भारत को निर्यात बिक्रियों के संबंध में सौदावार सूचना उपलब्ध कराई है । निर्यात बिक्रियां मै. ट्राइकोन एनर्जी, होस्टन, अमरीका के माध्यम से की गई हैं और इन पर विचार किया गया है । निर्यात बिक्रियों के लिए बीजक तरल एमटी (एलएमटी) आधार पर बनाए गए हैं तथापि, जांच के प्रयोजनार्थ इन्हें शुष्क एमटी आधार (डीएमटी) में परिवर्तित किया गया है । निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए मै. पी.टी. असाहिमास से मै. ट्राइकोन के लिए बिक्री कीमत पर विचार किया गया है । मै. पी.टी. असाहिमास की बिक्री कीमत में से निवल निर्यात कीमत की गणना हेतु बैंक प्रभारों आदि के संबंध में किए गए खर्चों को भी समायोजित किया गया है । यथा सत्यापित इन कटौतियों को करने के बाद निवल निर्यात कीमत \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित की गई है ।

### घ.5.3 असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

22. असयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों के निर्यात सौदों के न्यूनतम मूल्य के आधार पर की गई है । असहयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित की गई है ।

## घ.6 ईयू (फ्रांस को छोड़कर)

### घ.6.1 सामान्य मूल्य

23. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं । ईयू (फ्रांस को छोड़कर) से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने अनुरोध नहीं किया है और निर्धारित ढंग और पद्धति से प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । करार के अनुच्छेद 6.1 में यह व्यवस्था है कि यदि कोई हितबद्ध पक्षकार सूचना देने से मना करता है या अन्यथा एक तर्कसंगत अवधि के भीतर सूचना उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में

अत्यधिक बाधा डालता है तो प्रारंभिक और अंतिम निर्धारण, चाहे सकारात्मक हो या नकारात्मक, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किए जा सकते हैं । चूंकि ईयू (फ्रांस को छोड़कर) से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं, इसलिए सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है । घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उसने घरेलू बाजार में प्रचलित घरेलू कीमतों के साक्ष्य प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास किए थे, परंतु उसे जांच अवधि के लिए वास्तविक सौदा कीमत प्राप्त नहीं हो सकी थी । चूंकि वास्तविक सौदों संबंधी सूचना उपलब्ध नहीं है, इसलिए घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया कि क्लोर अल्कली द्वारा प्रस्तुत सूचना को उपयुक्त समायोजनों के साथ सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु तर्कसंगत और पर्याप्त आधार माना जा सकता है । बेहतर सूचना की अनुपस्थिति में घरेलू उद्योग द्वारा द्वितीयक स्रोतों अर्थात् क्लोर अल्कली से प्राप्त सूचना को सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार माना गया है । पिछली जांचों से इस बात का पता चलता है कि क्लोर अल्कली में प्रकाशित कीमतें वास्तविक सौदा कीमतों के काफी नजदीक होती हैं । इस प्रकार प्राधिकारी यह मानते हैं कि क्लोर अल्कली में दी गई कीमतें संबद्ध क्षेत्र में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का अत्यधिक प्रतिनिधिक और तर्कसंगत साक्ष्य है । अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण क्लोर अल्कली में प्रकाशित कीमतों के आधार पर किया गया है । इन कीमतों को सुपुरुद्दी कीमत माना गया है और कारखाना द्वारा स्तर पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अंतरराष्ट्रीय भाड़े के संबंध में संभव समायोजनों को किया गया है । तदनुसार यूरोपीय संघ (फ्रांस को छोड़कर) के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित किया गया है ।

#### घ.6.2 निर्यात कीमत:

24. निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंड एस द्वारा प्रदत्त सौदावार आयात आंकड़ों, जिनमें बिल प्रविष्टि संख्या, तारीख, देश कोड, मात्रा, मूल्य, उत्पाद का विवरण और आयातक का नाम आदि दिया गया है, के आधार पर किया गया है । आयात आंकड़ों की जांच करने पर यह पाया गया है कि डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदत्त सौदावार आंकड़ों में अन्य उत्पादों के भी आयात आंकड़े शामिल हैं । अतः आयात आंकड़ों का विश्लेषण किया गया था और उन्हें विचाराधीन उत्पाद के लिए पृथक् किया गया था जिसे इसके बाद कास्टिक सोडा लाई और फ्लेक/ठोस रूपों के लिए पुनः पृथक् किया गया था । जांच अवधि के लिए डीजीसीआईएंड के आयात आंकड़ों के अनुसार संबद्ध क्षेत्र ने जांच अवधि के दौरान तरल/ठोस कास्टिक सोडा का निर्यात नहीं किया था । तथापि, आईबीआईएस के आंकड़ों के अनुसार \*\*\* अम.डॉ. प्रति मी.टन की दर से \*\*\* मी.ट. का निर्यात किया गया है । तदनुसार ईयू (फ्रांस को छोड़कर) के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\*\* अम.डॉ. प्रति डीएमटी के रूप में निर्धारित की गई है ।

#### घ. पाटन मार्जिन

25. ऊपर यथा वर्णित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण पर विचार करते हुए जांच अवधि के दौरान भारत में किए गए आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है जिसे निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है :

	सामान्य मूल्य	नियाति कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
उत्पादक/नियातक	अम.डॉ./डीएमटी	अम.डॉ./डीएमटी	अम.डॉ./डीएमटी	%	रेज(%)
चीनी ताइपेई					
फार्मासी तथा ट्राइकोन	****	****	****	****	(1-8)
अन्य	****	****	****	****	10-20
इंडोनेशिया	****	****	****	****	
पीटी असाहिमास तथा ट्राइकोन	****	****	****	****	(8-15)
अन्य	****	****	****	****	1-10
यूरोपीय यूनियन (फ्रांस को छोड़कर) से सभी उत्पादक/नियातक	****	****	****	****	5-15

## च. क्षति निर्धारण की पद्धति और कारणात्मक संबंध की जांच

### च. 1 क्षति निर्धारण

### च. 2 नियातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं आदि के विचार

26. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के बाद घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है और प्राधिकारी को यह जांच समाप्त कर देनी चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग को कोई क्षति अथवा क्षति का खतरा नहीं है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, उसके स्वयं के द्वारा हुई है। यह दर्शाने के लिए कोई सूचना अथवा विश्वसनीय साक्ष्य नहीं है कि पाटन की पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की आशंका है।

#### च. 2.1 घरेलू उद्योग के विचार

27. घरेलू उद्योग ने क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित तर्क दिए हैं:-

- घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार के बाद भी निवेश पर आय अभी भी अपर्याप्त है।
- घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली सुधार हुआ है और जांच अवधि के दौरान अन्य देशों जिन पर शुल्क लागू हैं, से आयातों में भारी उछाल के साथ वृद्धि हुई है और इससे स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग की संवेदनशीलता सिद्ध होती है।
- घरेलू उद्योग की बिक्रियों और बाजार हिस्से में वृद्धि के बावजूद वह कीमत जिस पर घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु बेची जा रही है, घरेलू उद्योग को आवश्यक राहत प्रदान नहीं कर पा रही है क्योंकि भारतीय बाजार में अब भी पाटित सामग्री उपलब्ध है।
- कीमत संबंधी विभिन्न मापदंडों जैसे लाभ, निवेशों पर आय और नकद प्रवाह की दृष्टि से घरेलू उद्योग के निष्पादन में आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है और निवेश पर आय अपर्याप्त है।

(v) पूर्ववर्ती जांचों से यह प्रदर्शित हुआ है कि कास्टिक सोडा का बाजार अत्यधिक कीमत संवेदनशील है और आयात इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे हैं कि आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रहा है । बाजार इतना अधिक कीमत संवेदनशील है कि कीमत में 500 रुपए पीएमटी के अंतर के कारण आर्डर रद्द कर दिए जाते हैं ।

(vi) संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षतिरहित कीमत से कम पाठित कीमतों पर प्रवेश करेंगी ।

(vii) यह कि संबद्ध देशों के पास मुक्त रूप से निपटान योग्य क्षमताओं के साथ उत्पादन की विशाल क्षमताएं हैं और उनके पास इंडोनेशिया के मामले में 29,7000 मी.ट. की चीनी ताईपेई के मामले में 10,5000 मी.ट. की और ई यू (फ्रांस को छोड़कर) के मामले में 18,33000 मी.ट. की अप्रयुक्त क्षमताएं हैं और यदि पाटनरोधी शुल्क को हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति होने की आशंका है ।

### घ.2.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

28. प्राधिकारी ने नोट किया है कि निर्णायक समीक्षा के संबंध में सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क)(5) के संगत प्रावधान का पाठ निम्नानुसार है :

"इस धारा के अंतर्गत लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक उसे पहले समाप्त न किया जाए, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा :

परंतु यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को समय-समय पर आगे और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी ।"

29. प्राधिकारी ने नोट किया है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में निर्णायक समीक्षा करने की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि नियमों के अनुसार क्षति की वर्तमान स्थिति का आकलन निर्णायक समीक्षा में किया जाना है ।

30. प्रधिकारी ने नोट किया है कि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाठित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पाद की कीमतों पर पाठित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाठित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव ताकि इस बात की जांच की जा सके कि क्या आयातों में समग्र रूप से अथवा आयातक सदस्य के उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । प्रधिकारी ने पाठित आयातों के कीमत प्रभाव पर भी विचार किया है ताकि इस बात की जांच की जा सके कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती ।

31. क्षति की वर्तमान स्थिति का वर्तमान आकलन करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर सबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रभायों को नोट किया है और क्षति की मौजूदगी तथा पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच करने के लिए कीमतों और लाभप्रदता पर उसके प्रभाव को भी नोट किया है ।

32. प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में विभिन्न तर्कों को नोट किया है और उपयुक्त स्थानों पर उठाए गए संगत मुद्दों पर विचार किया है । प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए क्षति संबंधी मापदंडों की वस्तुनिष्ठ ढंग से जांच की है ।

### च.2.3 मांग का आकलन

33. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/मांग की गणना करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की विक्री मात्राओं तथा भारत में हुए कुल आयातों पर विचार किया है ।

इकाई मी.ट. में	2004-05	2005-06	2006-07	जन.,07- दिस.,07(जांच अवधि)
घरेलू उद्योग की घरेलू विक्री	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	105	107	117
घरेलू उद्योग का आवद्ध	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	93	96	103
अन्य भारतीय उत्पादकों की विक्री	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	108	110	108
कुल आयात	59522	54526	147480	138298
प्रवृत्ति	100	92	248	232
मांग	1840950	1938640	2067840	2135692
प्रवृत्ति	100	105	112	116
घरेलू उद्योग की नियात विक्री	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	145	169	147

34. प्राधिकारी ने नोट किया है कि क्षति अवधि के दौरान मांग में एक सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और उसमें आधार वर्ष 2004-05 से जांच अवधि में 16% तक की वृद्धि हुई है ।

### च.2.4 आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

35. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार व्यवस्था है: -

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेगा कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है ....."

36. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार घरेलू उद्योग के दावे की जांच की है और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर पर भी विचार किया है। प्राधिकारी ने केवल डीजीसीआईएंडएस के स्रोत के आधार पर आयातों की मात्रा निर्धारित की है।

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जन.,07- दिसं.,07(जांच अवधि)
<b>आयातों का बाजार हिस्सा</b>					
इंडोनेशिया	मी.ट.	4,328	-	3,352	17,068
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-	77	394
चीनी ताइपेई	मी.ट.	-	-	-	829
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-
ईयू, फ्रांस को छोड़कर	मी.ट.	2,679	6,304	6,038	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	235	225	-
संबद्ध देश	मी.ट.	7,007	6,304	9,390	17,897
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	134	255
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	27,155	46,325	131,954	114,361
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	171	486	421
अन्य देश	मी.ट.	25,359	1,897	6,136	6,041
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	7	24	24
कुल आयात	मी.ट.	59,521	54,526	147,480	138,299
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91.61	247.78	-232.35
<b>आयातों का बाजार हिस्सा</b>					
इंडोनेशिया	%	7.27	-	2.27	12.34
चीनी ताइपेई	%	-	-	-	0.60
ईयू, फ्रांस को छोड़कर	%	4.50	11.56	4.09	-
संबद्ध देश	%	11.77	11.56	6.37	12.94
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	45.62	84.96	89.47	82.69
अन्य देश	%	42.60	3.48	4.16	4.37
<b>मांग में बाजार हिस्सा</b>					
इंडोनेशिया	%	0.24	-	0.16	0.80
चीनी ताइपेई	%	-	-	-	0.04
ईयू, फ्रांस को छोड़कर	%	0.15	0.33	0.29	-
संबद्ध देश	%	0.38	0.33	0.45	0.84
देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	1.48	2.39	6.38	5.35
अन्य देश	%	1.38	0.10	0.30	0.28
घरेलू उद्योग	%	50.32	49.63	47.39	50.11
अन्य भारतीय उत्पादक	%	46.45	47.56	45.47	43.42

37. प्राधिकारी ने नोट किया है कि:

क) कुल आयातों की मात्रा में 2004-05 से जांच अवधि तक वृद्धि हुई है।

ख) भारत में कुल आयातों में संबद्ध देशों के हिस्से में वर्ष 2004-05 में 0.38% से 2005-06 में 0.33% तक की गिरावट आई है और इसके बाद इनमें 2006-07 में 0.45% और जांच अवधि के दौरान 0.84% की वृद्धि हुई है।

ग) संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में मांग में बाजार हिस्सा 2004-05 के दौरान केवल 0.38% था और जांच अवधि के दौरान यह बढ़कर 0.84% के स्तर पर आ गया। इसी के साथ अन्य देशों, जिन पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है, के हिस्से में इसी अवधि के दौरान 1.48% से 5.35% तक की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग का हिस्सा जो 2004-05 के दौरान 50.32% था, जांच अवधि के दौरान मामूली रूप से कम होकर 50.11% रह गया है।

38. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जब संबद्ध देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, तब भी आयातों में 2004-05 में 0.38% से जांच अवधि के दौरान 0.84% की मामूली वृद्धि हुई है।

### च.2.5 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

39. किसी समीक्षा जांच में इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में भारी कीमत प्रभाव डाला गया है अथवा क्या शुल्क को हटाए जाने के बाद कीमत प्रभाव की पुनरावृत्ति होने की आशंका है।

40. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत में भारी मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा उच्च स्तर तक बढ़ गई होती।

### च.2.6 कीमत कटौती

41. पाटित आयातों द्वारा की जा रही कीमत कटौती को सुनिश्चित करने की दृष्टि से प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्तियों की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की है। निवल बिक्री प्राप्ति की गणना सभी छूटों और करों को घटाने के बाद की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% प्रहस्तन प्रभार और संबद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य पर लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़कर की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री की प्राप्ति के साथ की गई है जिससे यह प्रदर्शित होता है कि इंडोनेशिया और चीनी ताईपेई से हुए निर्यात जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती नहीं कर रहे हैं और जांच अवधि के दौरान ईयू (फ्रांस को छोड़कर) से कोई निर्यात नहीं हुए हैं और तदनुसार ऐसी स्थिति में कीमत कटौती को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। अतः ईयू (फ्रांस को छोड़कर) के मामले में कास्टिक सोडा लाई के संबंध में जांच अवधि के लिए 2006-07 की अवधि हेतु निर्धारित कीमत पर विचार किया गया है। 2006-07 की अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस के आकड़े यह दर्शाते हैं कि ईयू (फ्रांस को छोड़कर) से कास्टिक सोडा फ्लेक के आयात केवल \*\*\*\*मी.टन के हैं जो \*\*\*\* रु. प्रति मी.ट. की कीमत पर किए गए हैं जो कि काफी असामान्य है।

	2004-05	2005-06	2006-07	जन.,07- दिसं.,07(जांच अवधि)
सीआईएफ नियात कीमत रु./मी.ट. (लाई)				
इंडोनेशिया	****	-	****	****
ईयू-फ्रांस को छोड़कर	****	****	****	****
सीआईएफ नियात कीमत रु./मी.ट. (फ्लेक)				
इंडोनेशिया	-	-	****	-
चीनी ताईपेई	-	-	-	****
ईयू-फ्रांस को छोड़कर	****	****	****	-
आयातों की पहुंच कीमत (लाई)				
इंडोनेशिया	***	-	****	****
ईयू-फ्रांस को छोड़कर	****	****	****	****
आयातों की पहुंच कीमत (फ्लेक)				
इंडोनेशिया	-	-	****	-
चीनी ताईपेई	-	-	-	****
ईयू-फ्रांस को छोड़कर	****	****	****	-
निवल बिक्री प्राप्ति (रु./मी.ट.)				
लाई	****	****	****	****
फ्लेक	****	****	****	****
बिक्रियों की लागत (रु./मी.ट.)				
लाई	****	****	****	****
फ्लेक	****	****	****	****
कीमत कटौती रु./मी.ट.				
इंडोनेशिया - लाई				****
चीनी ताईपेई - फ्लेक				****
ईयू (फ्रांस को छोड़कर) -लाई				****

## च.2.7 कम कीमत पर बिक्री

(मूल्य रु./मी.ट. में)

निवल बिक्री प्राप्ति (लाई)	****
निवल बिक्री प्राप्ति (फ्लेक)	****
निवल बिक्री प्राप्ति (भारित औसत)	****
क्षतिरहित कीमत (लाई)	****
क्षतिरहित कीमत (फ्लेक)	****
क्षतिरहित कीमत (भारित औसत)	****
पहुंच मूल्य - ठोस (चीनी ताईपेई)	****

कम कीमत पर बिक्री-लाई (चीनी ताईपेई)	****
कम कीमत पर बिक्री (%) - ठोस	****
कम कीमत पर बिक्री (%) रेज	(1-10)
पहुंच मूल्य (इंडोनेशिया) - लाई	****
कम कीमत पर बिक्री (इंडोनेशिया)-लाई	****
कम कीमत पर बिक्री (%) - लाई	****
कम कीमत पर बिक्री (%) रेज	(1-10)
पहुंच मूल्य (फ्रांस को छोड़कर ईयू) - लाई एवं ठोस	****
कम कीमत पर बिक्री (फ्रांस को छोड़कर ईयू) - लाई एवं ठोस	****
कम कीमत पर बिक्री (%) - भारित औसत	****
कम कीमत पर बिक्री (%) रेज	5-15
पहुंच मूल्य (संबद्ध देश)	****
कम कीमत पर बिक्री	****
कम कीमत पर बिक्री (%)	****
कम कीमत पर बिक्री की रेज	(10-20)

42. कम कीमत पर बिक्री चीनी ताईपेई और ईयू (फ्रांस को छोड़कर) के मामले में नकारात्मक रही है जबकि जांच अवधि के दौरान इंडोनेशिया के मामले में यह सकारात्मक रही है।

### च.2.8 कीमत हास/न्यूनीकरण

43. इस बात का आकलन करने की दृष्टि से कि क्या संबद्ध देशों से होने वाले आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों में हास/न्यूनीकरण किया था, प्राधिकारी ने बिक्री कीमतों और उत्पादन लागत की प्रवृत्तियों की तुलना की है।

इकाई मी.ट. में	2004-05	2005-06	2006-07	जन.,07-दिसं.,07 (जांच अवधि)
निवल बिक्री प्राप्ति (रु./मी.ट.)				
लाई	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	111	119	118
फ्लेक	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	112	126	121
बिक्रियों की लागत (रु./मी.ट.)				
लाई	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	108	121	128
फ्लेक	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	112	116	115

44. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में इन वर्षों के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि, बिक्री कीमत में यह वृद्धि केवल कास्टिक सोडा लाई के मामले में उत्पादन की लागत में हुई वृद्धि से कम रही है और कास्टिक सोडा फ्लैक के मामले में कीमत में कोई ह्रास नहीं हुआ है क्योंकि बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से अधिक है।

### च.3 घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

45. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में आगे यह व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्रियों, लाभ, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेशों पर आय या क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारकों, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, वस्तु सूचियों, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूँजीगत निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकरात्मक प्रभावों समेत उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों का वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए।

#### च.3.1 उत्पादन, बिक्री, क्षमता तथा क्षमता उपयोग

46. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्रियां, क्षमता और क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है :-

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
क्षमता	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	128	129
उत्पादन	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	111	121
घरेलू बिक्री	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	106	116
क्षमता उपयोग	%	97.70	95.28	84.85	91.87
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	87	94
आबद्ध क्षमता	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	224	841	455

47. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और बिक्रियों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। परंतु क्षमता उपयोग में 2006-07 तक की अवधि तक गिरावट आई है और जांच अवधि में इसमें वृद्धि हुई है।

### च.3.2 लाभ, लगाई गई पूँजी पर आय तथा नकद प्रवाह:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
लाभ/(हानि) (पीबीटी)	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	145	98
ब्याज पूर्व लाभ/(हानि) (पीबीआईटी)	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	131	95
निवेश पर आय (एनएफए आधार पर)	%	9.01	9.74	9.82	7.73
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	109	86
नकद लाभ	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	136	108

48. घरेलू उद्योग के लाभ में 2006-07 तक वृद्धि हुई है और जांच अवधि में गिरावट आई है ।

49. घरेलू उद्योग ने 2006-07 तक निवेशों पर आय की अपनी स्थिति में सुधार किया है और जांच अवधि के दौरान इनमें गिरावट आई है ।

50. सभी घरेलू उत्पादक, जो घरेलू उद्योग का हिस्सा हैं, बहु उत्पाद कंपनियां हैं और इन कंपनियों की नकद प्रवाह की स्थिति संबद्ध उत्पाद की स्थिति की ओर संकेत नहीं करती हैं । प्राधिकारी ने इन वर्षों के दौरान नकद लाभों की जांच की है और नकद लाभ के संबंध में यह स्थिति दर्शाती है कि इसमें 2006-07 तक सुधार हुआ है और जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है ।

### च.3.3 रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	97	95
मजदूरी	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	134	136
उत्पादकता	मी.ट./वर्क्सि	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	114	127

51. प्राधिकारी ने नोट किया है कि रोजगार में इन वर्षों के दौरान गिरावट आई है । मजदूरी में वृद्धि हुई है जो सामान्य प्रतीत होती है । प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में दर्शायी गई उत्पादकता में सुधार प्रदर्शित हुआ है ।

### च.3.4 मालसूचियां

52. घरेलू उद्योग के पास अंतिम उत्पादों के औसत स्टॉक से समग्र रूप से और दैनिक बिक्रियों की संख्या की दृष्टि से भी वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
औसत स्टॉक	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	79	85	152
स्टॉक में बिक्री दिवसों की सं.	दिवस/मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	75	76	126

### च.3.5 वृद्धि

53. क्षमता, उत्पादन, उत्पादकता और बिक्री में संपूर्ण अवधि के दौरान सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । लाभों और लगाई गई पूंजी पर आय में 2006-07 तक वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान इनमें गिरावट आई है ।

### च.4 क्षति मार्जिन

54. क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) और पहुंच मूल्य पर विचार करते हुए जांच अवधि के लिए ज्ञात किया गया क्षति मार्जिन निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है :

	अतिरहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
उत्पादक/निर्यातक	अम.डॉ./डीएमटी	अम.डॉ./डीएमटी	अम.डॉ./डीएमटी	%	रेज (%)
चीनी ताईपेई					
फर्मोसा और ट्राइकोन	****	****	****	****	(1-10)
अन्य	****	****	****	****	1-10
इंडोनेशिया	****	****	****	****	
पीटी असाहिमास और ट्राइकोन	****	****	****	****	1-10
अन्य	****	****	****	****	5-15
यूरोपीय संघ (फ्रांस को छोड़कर) से सभी	****	****	****	****	(1-10)
उत्पादक/निर्यातक					

### छ. अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

#### छ.1 अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतें

55. अन्य देशों से कुल आयातों में 2004-05 में 59521 मी.ट. से जांच अवधि के दौरान 138299 मी.ट. की वृद्धि हुई है । यह भी नोट किया गया है कि क्षति अवधि और जांच अवधि के

दौरान कुछ अन्य देशों पर भी पाटनरोधी शुल्क लागू रहा है । अन्य देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है, से हुए आयातों में 2004-05 में 25359 मी.ट. से जांच अवधि के दौरान 6041 मी.ट. तक की गिरावट आई है और इसलिए यह ऐसा कारक प्रतीत नहीं होता है जिससे घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रभाव पड़ा हो ।

#### छ.2 मांग में संकुचन और/या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

56. संबद्ध देशों की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 16% (सूधीबद्ध) तक की वृद्धि हुई है । अतः मांग में संकुचन वह संभावित कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रभाव पड़ सकता हो ।

#### छ.3 व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

57. संबद्ध वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं । अतः यह कारक भी घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित नहीं कर सकता है ।

#### छ.4 प्रौद्योगिकी का विकास और निर्यात निष्पादन

58. उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों में उत्पादकों के लिए एक समान है और तदनुसार प्रौद्योगिकी में विकास वह कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रभाव पड़ सकता हो ।

59. घरेलू उद्योग के पास जांच अवधि के दौरान काफी कम निर्यात कार्यकलाप अर्थात उनकी कुल बिक्रियों (आबद्ध को छोड़कर) कुल बिक्रियों का 3.67% रहा है और निर्यात बिक्रियां वह कारक नहीं हो सकता है जिससे घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हुआ है ।

#### छ.5 घरेलू उद्योग की उत्पादकता

60. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में मापी गई घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है और यह 2004-05 में \*\*\*\* मी.ट./व्यक्ति से बढ़कर जांच अवधि के दौरान \*\*\*\* मी.ट./व्यक्ति हो गई है और इसे घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाला कारक नहीं माना जा सकता है ।

#### ज. कारणात्मक संबंध, पाटन और क्षाति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

##### ज.1. घरेलू उद्योग के विचार

61. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं:

- (i) घरेलू उद्योग के निवेश पर आय अब भी अपर्याप्त है ।
- (ii) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली सुधार हुआ है और अन्य देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से होने वाले आयातों में जांच अवधि के दौरान भारी उछाल के साथ वृद्धि हुई है और यदि शुल्क हटाए जाते हैं तो संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों में भारी उछाल आएगा ।
- (iii) भारतीय बाजार में पाटित सामग्री की लगातार उपलब्धता के कारण उस कीमत, जिस पर घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु बेची जा रही है, से घरेलू उद्योग को आवश्यक राहत नहीं मिल पाई है ।
- (iv) कीमत संबंधी विभिन्न मापदंडों जैसे लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की दृष्टि से घरेलू उद्योग के निष्पादन में आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है और निवेश पर आय पर्याप्त नहीं रही है ।
- (v) पूर्ववर्ती जांचों से यह पता चलता है कि कास्टिक सोडा का बाजार अत्यधिक कीमत संवेदनशील है और आयात इस तथ्य के मद्देनजर किए जा रहे हैं कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही है । बाजार इतना अधिक कीमत संवेदनशील है कि कीमत में 500 रु. पीएमटी का अंतर होने पर आर्डर रद्द कर दिए जाते हैं ।
- (vi) संबद्ध वस्तुओं ने संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में पाटित आयातों पर प्रवेश किया है जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षतिरहित कीमत से कम थी ।
- (vii) यह कि संबद्ध देशों के पास उत्पादन की विशाल क्षमताएं हैं और उनके पास इंडोनेशिया के मामले में 29,7000 मी.ट. की चीनी ताईपेई के मामले में 10,5000 मी.ट. की और ई यू (फ्रांस को छोड़कर) के मामले में 18,33000 मी.ट. की अप्रयुक्त क्षमताएं हैं और यदि पाटनरोधी शुल्क को हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति होने की आशंका है ।

## ज.2 मै. पी.टी असाहिमास केमिकल, इंडोनेशिया के विचार

62. मै. पीटी असाहिमास इंडोनेशिया ने यह बताया है कि जांच अवधि के बाद की अवधि अर्थात् 2008 के दौरान उन्होंने भारत को निर्यात नहीं किया था । इसके अलावा, उन्होंने 2008 में भिन्न-भिन्न देशों को उस कीमत पर निर्यात किया था जो जांच अवधि में भारत की निर्यात कीमत से अधिक थी । उन्होंने यह भी बताया है कि उनके पास कोई अप्रयुक्त क्षमता नहीं है क्योंकि जांच अवधि के दौरान उन्होंने 98.02% की सीमा तक अपनी क्षमता का उपयोग किया है अथवा उन्होंने मालसूचियों में वृद्धि नहीं की है, इस प्रकार उनकी भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन करने की कोई इच्छा नहीं है ।

63. यह सूचित किया गया है कि इंडोनेशिया में संबद्ध वस्तु के 4 अन्य उत्पादक अर्थात् पीटी सुल्फ़इंडो, एदीवसाहा, पीटी पैब्रिक किरटाज जीवी कीमियां, पीटी इन्डाह कियाट पल्प एंड पेपर और पीटी पिंडो डेली हैं, जिनके पास लगभग क्रमशः 22,5000 डीएमटी, 65,000 डीएमटी, 1,10,000 डीएमटी और 40,000 डीएमटी प्रति वर्ष की क्षमताएं हैं। यह भी सूचित किया गया था कि पीटी पैब्रिक किरटाज जीवी कीमियां और पीटी पिंडो डेली दोनों संबद्ध वस्तु को आबद्ध रूप से प्रयोग करते हैं और बाजार में इनकी बिक्री करते हैं और पीटी इन्डाह कियाट पल्प एंड पेपर के पास केवल आबद्ध खपत है।

### ज.3 मै. फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन, चीनी ताईपेई के विचार

64. मै. फोरमोसा चीनी ताईपेई ने कहा है कि (क) भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु का कोई पाटन नहीं हुआ है और (ख) मात्रा और कीमत दोनों की दृष्टि से भारत को किए गए निर्यातों से कोई क्षति भी नहीं हुई है। भारत को किए गए निर्यातों के अनुसार उसका हिस्सा कुल आयातों का केवल 0.53% है और जांच अवधि के दौरान भारत में मांग का केवल 0.043% है। जांच अवधि के बाद भी निर्यात जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के 11.90% की सीमा तक घट गए हैं (अर्थात् जांच अवधि के दौरान 941 मी.ट. से 2008 के दौरान 112 मी.ट.)। भारत को की गई कुल बिक्रियां कंपनी की कुल बिक्रियों का 0.0001% से भी कम है। इसके अलावा, वे भारत को कास्टिक सोडा लाई का निर्यात नहीं करते हैं। क्लोर अल्कली की रिपोर्ट द्वारा प्रकाशित पत्र के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि निर्यात अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की तर्ज पर किए गए हैं। ये निर्यात मुख्यतः अमेरिका और आस्ट्रेलिया के लिए निर्मित होते हैं। अन्य देशों को 2008 के मध्य में निर्यात किए गए हैं जो मुख्यतः एशिया पैसिफिक जिनका भारत भी एक हिस्सा है, को किए गए हैं और ये निर्यात हरीमन रिपोर्ट से प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय कीमत की तर्ज पर हैं।

65. यह सूचित किया गया है कि ताईवान में 4 अन्य उत्पादक अर्थात् सीजीपीसी, ताईवान क्लोरीन इंडस्ट्री, यीफांग केमिकल्स और चुगह्वा पल्प हैं जिनके पास लगभग क्रमशः 33,000 डीएमटी, 125000 डीएमटी, 77000 डीएमटी और 17000 डीएमटी की क्षमता है। ताईवान क्लोरीन इंडस्ट्री और यीफांग केमिकल्स दोनों विचाराधीन उत्पाद का आबद्ध रूप से उपयोग करते हैं और बाजार में इसे बेचते हैं। चुगह्वा पल्प विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग केवल आबद्ध रूप से करते हैं।

### ज.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

66. इंडोनेशिया और चीनी ताईपेई से हुए आयात घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती नहीं कर रहे हैं जैसा कि उपर्युक्त पैरा 42 में दर्शाया गया है।

67. इंडोनेशिया और चीनी ताईपेई के संबंध में वर्ल्ड ट्रेड एटलस में दर्शाए गए आंकड़ों का भी विश्लेषण किया गया है और ये दर्शाते हैं कि इन देशों से अन्य देशों और भारत की कीमतें एक समान हैं। यद्यपि भारत को किए गए निर्यात अन्य देशों को किए गए निर्यातों की तुलना में काफी कम हैं।

६८. इंडोनेशिया और चीनी ताईपेई से निर्यातों के आंकड़े वर्ल्ड ट्रेड एटलस (डब्ल्यूटीए) के अनुसार निम्नानुसार हैं:

भारत और अन्य देशों को इंडोनेशिया और चीनी ताईपेई से कास्टिक सोडा लाई (सीएसएल) और कास्टिक सोडा फ्लैक (सीएसएफ) का निर्यात

### इंडोनेशिया

अम.डॉ./मी.ट.

विवरण	इकाई	2005	2006	2007	2008
विश्व	कास्टिक सोडा लाई -मात्रा	59393	76876	79288	उपलब्ध नहीं
	कास्टिक सोडा लाई -कीमत	280	290	280	उपलब्ध नहीं
भारत	कास्टिक सोडा लाई -मात्रा	7075	3210	17125	उपलब्ध नहीं
	कास्टिक सोडा लाई -कीमत	310	720	280	उपलब्ध नहीं
	विश्व को कुल निर्यातों के रूप में भारत को निर्यातों की % मात्रा	11.91	4.18	21.60	उपलब्ध नहीं
विश्व	कास्टिक सोडा फ्लैक-मात्रा	5164	8781	10257	उपलब्ध नहीं
	कास्टिक सोडा फ्लैक -कीमत	310	300	360	उपलब्ध नहीं
भारत	कास्टिक सोडा फ्लैक-मात्रा	-	1031	-	उपलब्ध नहीं
	कास्टिक सोडा फ्लैक -कीमत	-	600	-	उपलब्ध नहीं
	विश्व को कुल निर्यातों के रूप में भारत को निर्यातों की % मात्रा	-	11.74	-	उपलब्ध नहीं

69. उपर्युक्त आंकड़ों से यह देखा गया है कि कास्टिक सोडा लाई की भारत को इंडोनेशिया की औसत एफओबी निर्यात कीमत 280 अम.डॉ. प्रति मी.ट. रही है जो जांच अवधि के दौरान 280 अम.डॉ. प्रति मी.टन की वैश्विक निर्यात कीमत के अनुक्रम में रही है। जांच अवधि के दौरान भारत को कास्टिक सोडा फ्लैक्स का कोई निर्यात नहीं किया गया है। वर्ष 2008 अर्थात् जांच अवधि के बाद की अवधि के लिए इंडोनेशिया हेतु डब्ल्यूटीए के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

### चीनी ताईपेई

अम.डॉ./मी.ट.

विवरण	इकाई	2005	2006	2007	2008
विश्व	कास्टिक सोडा लाई -मात्रा	517808	621926	764914	739780
	कास्टिक सोडा लाई -कीमत	212.38	196.56	197.65	311.92
भारत	कास्टिक सोडा लाई -मात्रा	-	-	-	50
	कास्टिक सोडा लाई -कीमत	-	-	-	199.54
	विश्व को कुल निर्यातों के रूप में भारत को निर्यातों की % मात्रा	-	-	-	0.01

विश्व	कास्टिक सोडा फ्लैक-मात्रा	23086	21,146	59643	147746
	कास्टिक सोडा फ्लैक -कीमत	308.73	303.01	352.04	303.09
भारत	कास्टिक सोडा फ्लैक-मात्रा	140	-	951	131
	कास्टिक सोडा फ्लैक -कीमत	274.21	-	357.24	323.19
	विश्व को कुल निर्यातों के रूप में भारत को निर्यातों की % मात्रा	0.61	-	1.59	0.09

70. उपर्युक्त से यह देखा गया है कि भारत को चीनी ताईपेई की कास्टिक सोडा फ्लैक्स की औसत एफओबी निर्यात कीमत 357.24 अम.डॉ. प्रति मी.ट. रही है जो जांच अवधि के दौरान विश्व को निर्यात की कीमत अर्थात् 352.04 अम.डॉ. प्रति मी.ट. से अधिक है। वर्ष 2005, 2006 और 2007 के दौरान भारत को कास्टिक सोडा लाई का कोई निर्यात नहीं किया गया है तथा 2008 अर्थात् जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान 199.54 अम.डॉ./मी.ट. की दर से भारत को केवल 50 मी.ट. का निर्यात किया गया है।

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीटी अंसाहिमास, इंडोनेशिया ने जांच अवधि के दौरान \*\*\* एलएमटी की अपनी स्थापित क्षमता के मुकाबले संबद्ध वस्तु का \*\*\* एलएमटी का उत्पादन किया है जिससे उनकी क्षमता का 98.02% उपयोग प्रदर्शित होता है और केवल \*\*\* एलएमटी की क्षमता अप्रयुक्त बचती है। तथापि, इंडोनेशिया के संबद्ध वस्तु के 4 अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों जिनके पास लगभग \*\*\* डीएमटी की कुल उत्पादन क्षमता है, के उत्पादन के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है तथा उनकी घरेलू बिक्रियों, आबद्ध खपत, निर्यात बिक्रियों और अप्रयुक्त क्षमताओं के संबंध में भी कोई सूचना नहीं दी गई है और घरेलू उद्योग ने इंडोनेशिया के \*\*\* मी.ट. की अप्रयुक्त क्षमता दर्शायी है।

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. फोरमोसा चीनी ताईपेई ने अपनी \*\*\* डीएमटी की स्थापित क्षमता के मुकाबले जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के \*\*\* डीएमटी का उत्पादन किया है जिसमें उनकी कुल क्षमता के 94.06% का उपयोग किया गया है और केवल \*\*\* डीएमटी की अप्रयुक्त क्षमता शेष बचती है। तथापि, चीनी ताईपेई के संबद्ध वस्तु के 4 अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों जिनके पास लगभग \*\*\* डीएमटी की कुल उत्पादन क्षमता है, के उत्पादन के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है तथा उनकी घरेलू बिक्रियों, आबद्ध खपत, निर्यात बिक्रियों और अप्रयुक्त क्षमताओं के संबंध में भी कोई सूचना नहीं दी गई है और घरेलू उद्योग ने चीनी ताईपेई के \*\*\* मी.ट. की अप्रयुक्त क्षमता दर्शायी है।

73. ईयू (फ्रांस को छोड़कर) के संबद्ध वस्तु के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों की उत्पादन क्षमता, उत्पादन घरेलू बिक्रियों, आबद्ध खपत, निर्यात बिक्रियों और अप्रयुक्त क्षमताओं के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। तथापि, घरेलू उद्योग ने ईयू (फ्रांस को छोड़कर) के लिए \*\*\* मी.ट. की अप्रयुक्त क्षमता दर्शायी है।

झ. क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

प्रकटन विवरण के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

74. घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- (i) कमीशन की मौजूदगी लेखा पुस्तिका/ लेखांकन के सिद्धांतों और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार नहीं है ।
- (ii) प्रकटन विवरण में यह कहा गया है कि रॉयल्टी के कारण कीमत समायोजन करने का प्रस्ताव है । इसके लिए कोई समायोजन करने की इस कारण से अनुमति नहीं है कि रॉयल्टी को केवल घरेलू बिक्रियों तक सीमित नहीं किया जा सकता है । रॉयल्टी, यदि देय हो तो किसी भी बाजार की सभी बिक्रियों पर देय होती है ।
- (iii) कंपनी ने एलएमटी आधार पर सूचना दी है जिसे डीएमटी में परिवर्तित किया गया है । तथापि, यह समझ में नहीं आता है कि खर्चों को किस प्रकार घटाया गया है ।
- (iv) फोरमोसा, ताइवान के मामले में याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध आंकड़े केवल फ्लेक्स का आयात दर्शाते हैं । तथापि, उत्पाद की अधिकांश मात्रा लाई रूप में बेची गई है । फ्लेक के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण यह सिद्ध करने के लिए अपर्याप्त है कि क्या निर्यातक पाटन कर सकता है अथवा नहीं ।
- (i) ताइवान से लाई रूप में कोई आयात नहीं किए गए हैं । और ठोस रूप में निर्यात किए गए हैं जिसके कारण लाई और ठोस रूप की औसत घरेलू कीमत से अनुचित प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होती है । लाई और ठोस की कीमत का औसत ठोस की कीमत के साथ तुलना के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है ।
- (ii) ताइवान के विरुद्ध मध्यावधि समीक्षा के समय प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया था कि निर्यातक द्वारा वर्तमान में कोई पाटन नहीं किया गया है । तथापि, तीसरे देश के संबंध में पाटन मार्जिन 68.93% था ।
- (iii) डीजीएडी ने प्रश्नावली का दूसरा भाग अपनी वैबसाइट पर दिया है और ऐसा लगता है कि निर्यातक द्वारा उसके संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है और इस प्रकार निर्यातक को असहयोगी घोषित किया गया है ।
- (iv) यह तथ्य कि निर्यातक के संबंध में पाटन मार्जिन (और क्षति मार्जिन भी) ऋणात्मक रहा है, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को हटाने के लिए अपर्याप्त है ।
- (v) जारी किए गए प्रकटन विवरण से रूप से यह सिद्ध होता है कि यूरोप के मामले में पाटन और क्षति की संभावना है ।
- (vi) पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में इन निर्यातकों (इंडोनेशिया और ताइवान) द्वारा पाटन किए जाने की प्रबल संभावना है ।

(vii) निर्यातक देशों द्वारा जारी किए गए व्यापार संबंधी आंकड़ों में निर्यातों की देशवार मात्रा और कीमत दर्शायी गई है और इन देशों से तीसरे देशों को भारी मात्रा में निर्यात किया जा रहा है जैसा कि निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है:

जांच अवधि में	लाई	फ्लैक	कुल
इंडोनेशिया	62,703	10,257	72,960
ताइवान	764,914	58,692	823,906

(xii) वह कीमत जिस पर इंडोनेशिया और ताइवान द्वारा तीसरे देशों को निर्यात किए जा रहे हैं, उस कीमत से काफी कम है जिस पर इस सामग्री को भारत को निर्यात किया गया है।

जांच अवधि में	लाई	फ्लैक
इंडोनेशिया	275.23	357.61
ताइवान	197.65	351.96
भारत	337.69	424.23

(xiii) यदि यह माना भी जाता है कि भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर नहीं किए गए हैं तब भी यह स्पष्ट है कि तीसरे देशों को निर्यात कीमत अत्यधिक पाटित कीमतों पर थी।

(xiv) दोनों देशों के पास मुक्त रूप से निपटान योग्य काफी अप्रयुक्त उत्पादन क्षमताएं हैं। पाटनराष्ट्रीय शुल्क हटाए जाने का अर्थ इन देशों से पाटन की सभावना को बढ़ाना होगा।

(मात्रा लाख मी.ट. में)	ताइवान	इंडोनेशिया	टिप्पणी
क्षमता	18.23	9.03	सीएमएआई रिपोर्ट
उत्पादन	17.18	6.06	सीएमएआई रिपोर्ट
मांग	10.40	6.30	सीएमएआई रिपोर्ट
निर्यात	7.00	0.30	सीएमएआई रिपोर्ट
आयात	0.15	0.54	सीएमएआई रिपोर्ट
बेशी क्षमता	7.83	2.73	
अप्रयुक्त क्षमता	1.05	2.97	

(xv) इस बात को देखते हुए कि उत्पादक बिना किसी संविदाकारी दायित्व के तीसरे देशों को भारी मात्रा का निर्यात कर रहे हैं, यह स्पष्ट है कि इन देशों से निर्यात मात्राओं में "मुक्त रूप से उपलब्ध/निपटान योग्य उत्पादन क्षमताएं" अवश्य शामिल होंगी।

जांच अवधि में	लाई	फ्लैक	कुल
इंडोनेशिया	62,703	10,257	72,960
ताइवान	764,914	58,692	823,906

(xvi) याचिकाकर्ता ने फोरमोसा की वेबसाइट देखी है और उपलब्ध सूचना एकत्र की है। निम्नांकित तालिका में स्थिति का सारांश दिया गया है।

कंपनी की क्षमता	16.00	लाख मी.ट.	फोरमोसा की अपनी वैबसाइट
कंपनी का उत्पादन	15.53	लाख मी.ट.	फोरमोसा की अपनी वैबसाइट
कंपनी की घरेलू बिक्रियां	5.22	लाख मी.ट.	फोरमोसा की अपनी वैबसाइट
घरेलू बिक्रियों का मूल्य (000 ताइवान डॉलर)	5627232		फोरमोसा की अपनी वैबसाइट
औसत घरेलू कीमत	(एनटी) 10765	327.67 अम.डॉ. प्रति मी.ट.	वैबसाइट की सूचना से परिकलित (विनिमय दर .03044- <a href="http://www.oanda.com">www.oanda.com</a> )
कंपनी की निर्यात बिक्रियां	7.30		फोरमोसा की अपनी वैबसाइट
निर्यात मूल्य (000 ताइवान डॉलर)	4897067		फोरमोसा की अपनी वैबसाइट
ताइवान लालर में औसत निर्यात कीमत	(एनटी) 6711	204.27 अम.डॉ. प्रति मी.ट.	वैबसाइट की सूचना से परिकलित (विनिमय दर .03044- <a href="http://www.oanda.com">www.oanda.com</a> )

(क) यह देखा जाता है कि घरेलू बाजार में फोरमोसा की कीमत इस समय 204.27 अम.डॉ. प्रति मी.ट. की कीमत के मुकाबले 327.67 अम.डॉ. प्रति मी.ट. के आसपास है जिससे 123.40 अम.डॉ. प्रति मी.ट. (60%) का भारी अंतर (पाटन मार्जिन) उत्पन्न हुआ है।

(ख) कंपनी की वैबसाइट पर दी गई सूचना यह भी सिद्ध करती है कि 16 लाख मी.ट. की उत्पादन क्षमता की तुलना में फोरमोसा की घरेलू बिक्री केवल 5.22 लाख मी.ट. है। इस प्रकार इसकी वजह से लगभग 11 लाख मी.ट. की भारी मुक्त रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमता उपलब्ध है। यदि यह माना भी जाए कि आस्ट्रेलिया की संपूर्ण आपूर्तियां दीर्घावधिक संविदाओं के अंतर्गत फोरमोसा द्वारा की जा रही हैं तो भी इनसे 5 लाख मी.ट. से अधिक की बेशी उत्पादन और क्षमता पदर्शित होती है।

(ग) 2008 के दौरान ताइवान ने अमरीका को 200 अम.डॉ. प्रति मी.ट. की कीमत पर 315822 मी.ट. कास्टिक सोडा का निर्यात किया है। (अमरीकी सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार, प्रति संलग्न)। इससे पाटन की और अधिक प्रबल संभावना सिद्ध होती है।

(xvii) “वर्तमान अधिसूचना के प्रयोजनार्थ उद्गम का देश एक ऐसा देश होना चाहिए जिसमें सोडियम क्लोराइड के एक जलीय विलेयन के इलेक्ट्रोलाइसिस द्वारा उत्पान कार्यकलाप किया जाता है।”

(xviii) शुल्क को अमरीकी डॉलर के रूप में व्यक्त करना महत्वपूर्ण और आवश्यक है ।

(xix) यह बात महत्वपूर्ण है कि पाटनरोधी शुल्कों को स्थिर राशियों के रूप में व्यक्त किया जाए ।

(xx) निर्धारित की गई क्षतिरहित कीमत घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत से काफी कम है । चूंकि लाई की कीमत हासमान कीमत है इसलिए इस समय निर्धारित क्षतिरहित कीमत भी हासमान क्षतिरहित कीमत है और इस प्रकार क्षतिरहित कीमत की समीक्षा करने का अनुरोध किया गया है ।

(xxi) याचिकाकर्ता यह अनुरोध करता है कि इससे स्पष्ट रूप से पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में पाटन के और अधिक तेज होने की संभावना सिद्ध होती है । यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो निर्यातिकों को अन्य अंतर्राष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं की तर्ज पर प्रचलित कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा ।

#### हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधः

75. मै. फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन ने प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं ।

- यह कि प्राधिकारी को केवल इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या निर्यात पाटित कीमतों पर किए गए हैं क्योंकि उनकी ओर से कोई पाटन नहीं हुआ है ।
- यह कि उन्होंने पिछले दो वर्षों के दौरान और निर्णायक समीक्षा जांच के दौरान कोई निर्यात नहीं किए थे और कोई पाटन तथा क्षति नहीं हुई है ।
- यह कि घरेलू उद्योग को क्षति अथवा क्षति का कोई खतरा नहीं है जैसा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है और क्षति यदि कोई हो तो वह स्वयं उत्पन्न की गई है ।

76. इंडोनेशिया और ताइवान से मै. ट्राइकॉन एनर्जी लिं. (निर्यातक) ने प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- यह कि प्राधिकारी को केवल इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या निर्यात पाटित कीमतों पर किए गए हैं क्योंकि उनकी ओर से कोई पाटन नहीं हुआ है ।
- यह कि घरेलू उद्योग को क्षति अथवा क्षति का कोई खतरा नहीं है जैसा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है और क्षति यदि कोई हो तो वह स्वयं उत्पन्न की गई है ।

77. मै. पीटी अहसहिमास, इंडोनेशिया ने यह कहा है कि नकारात्मक पाटन मार्जिन के कारण उनके मामले में क्षति मार्जिन की मात्रा अप्रासंगिक है ।

78. मै. हिंदुस्तान यूनीलीवर लि. ने प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- (i) यह कि प्राधिकारी को केवल इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या निर्यात पाटित कीमतों पर किए गए हैं क्योंकि उनकी ओर से कोई पाटन नहीं हुआ है ।
- (ii) यह कि घरेलू उद्योग को क्षति अथवा क्षति का कोई खतरा नहीं है जैसा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है और क्षति यदि कोई हो तो वह स्वयं उत्पन्न की गई है ।

ज. प्राधिकारी द्वारा जांच:

79. वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस बात की जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या शुल्क हटाए जाने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रकटन विवरण पर उठाए गए सभी मुद्दों पर ध्यान दिया है और उन पर अंतिम जांच परिणामों में उचित स्थानों पर कार्यवाही की गई है । सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के सत्यापित रिकार्डों के आधार पर छूट/कमीशन, रॉयल्टी आदि के बारे में एलएमटी/डीएमटी आधार पर सभी समायोजन किए गए हैं । सूचना की जांच करने पर प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की कीमतें संबद्ध देशों से आ रहे संबद्ध वस्तु की कीमतों से तुलनीय हैं क्योंकि इनका आयात एक समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है । आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद के लिए प्रयोक्ता और प्रयोक्ता उद्योग एक समान है । अतः प्राधिकारी घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित समझते हैं जो आयातित उत्पाद और घरेलू रूप से उत्पादित समान उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में किया जाएगा । अतः प्राधिकारी इस जांच में घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों द्वारा क्षति के प्रभाव की संचयी रूप से जांच करना उचित समझते हैं । प्राधिकारी के रिकार्ड में निम्नलिखित तथ्य है :-

- (i) यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान सहयोगी निर्यातक द्वारा चीनी टाइपेई से किए गए निर्यात अपटित कीमतों पर पाए गए हैं । प्राधिकारी ने चीनी टाइपेई से निर्यातित उत्पाद की डब्ल्यूटीओ में सूचित कीमतों को भी नोट किया है । यह नोट किया गया है कि विश्व निर्यातों के लिए सहयोगी उत्पादक/निर्यातक द्वारा सूचित औसत कीमतें या तो तुलनीय हैं या फिर डब्ल्यूटीओ आंकड़ों में सूचित कीमत से अधिक हैं । मै. फर्मोसा प्लास्टिक कार्पोरेशन ने पूर्ववर्ती वर्षों में भारत को वस्तु निर्यात नहीं किया है । तथापि, जांच अवधि के दौरान सूचित निर्यात से किसी पाटन का पता नहीं चला और कीमतें अन्य देशों को हुए निर्यातों से तुलनीय हैं । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यात कीमतों को स्वीकार किया है । असहयोगी निर्यातक द्वारा भारत को किए गए अन्य निर्यातों (जिन्हें सहयोगी निर्यातक द्वारा निर्यात रिपोर्ट में हिसाब में नहीं लिया गया है) के बारे में यह नोट किया गया है कि तरल (लाई) रूप में था । इस संबंध में यह नोट किया गया है कि इस निर्यात के लिए पाटन मार्जिन भी ऋणात्मक है । इस बात को ध्यान में रखते हुए कि पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान किसी निर्यात की सूचना नहीं दी गई थी और अन्य देशों के लिए डब्ल्यूटीए

निर्यात कीमतों से एक देश को छोड़कर पर्याप्त अंतर का पता नहीं चलता है, प्राधिकारी का मत यह है कि सहयोगी निर्यातक तथा चीनी ताइपेई के अन्य निर्यातकों द्वारा पाटन की सम्भावना प्रतीत नहीं होती है तथापि इससे निश्चित तौर पर इकार नहीं किया जा सकता ।

(ii) इंडोनेशिया से हुए निर्यातों के संबंध में प्राधिकारी ने विश्व को इंडोनेशिया से हुए निर्यातों के लिए डब्ल्यूटीए में सूचित उत्पाद की कीमतों को नोट किया है और यह पाया गया है कि सहयोगी निर्यातक अर्थात् मै. पी.टी. असहिमास कैमिकल लि. द्वारा औसत निर्यात कीमतें डब्ल्यूटीए में सूचित कीमत से कम सूचित की गई थी । (इसका मिलान डीजीसीआई एंड एस में सूचित आंकड़ों से भी किया गया है यद्यपि पूर्ववर्ती वर्षों में सहयोगी निर्यातक द्वारा कोई निर्यात सूचित नहीं किया गया है) । सहयोगी निर्यातक ने पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान भारत को किसी निर्यात की सूचना नहीं दी है तथापि जांच अवधि के दौरान सहयोगी निर्यातक द्वारा भारत में हुए कुल आयातों में निर्यातों की बड़ी मात्रा को शामिल किया गया है । जांच अवधि के दौरान नियात अपारित कीमत पर किए गए हैं तथापि कीमत अंतर को डब्ल्यूटीए में सूचित औसत कीमत से निर्यातक की कम कीमत को ध्यान में रखते हुए इस बात का निष्पक्ष निर्णय नहीं लिया जा सकता कि मै. पी.टी. असहिमास द्वारा अविश्व में खासकर तब पाटन नहीं किया जाएगा जब मै. पी.टी. असहिमास ने जांच अवधि के दौरान ही वस्तु का निर्यात किया है । अतः उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह प्रतीत होता है कि मै. पी.टी. असहिमास द्वारा सूचित निर्यात कीमतें अस्थायी और अविश्वसनीय हैं ताकि जांच अवधि के दौरान पाटन मार्जिन से बचा जा सके । यद्यपि इनका समर्थन निर्यातक द्वारा कीमत पद्धति से नहीं किया गया है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यातक की निर्यात कीमत को अस्वीकार किया है क्योंकि पाटन की सम्भावना से इकार नहीं किया जा सकता और यह माना है कि इंडोनेशिया से पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।

(iii) फ्रांस को छोड़कर यूरोप से हुए निर्यातों के संबंध में यह नोट किया गया है कि यूरोपीय संघ के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है । पाटन मार्जिन का निर्धारण आईबीआईएस आंकड़ों में सूचित वास्तविक निर्यात सौदों के आधार पर किया गया है । (यद्यपि डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में ये सौदे शामिल नहीं किए गए हैं) । सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु “क्लोर अल्कली” में सूचित आंकड़ों पर भरोसा किया गया है । इन तथ्यों के आधार पर यह नोट किया गया है कि इन सौदों के लिए पर्याप्त पाटन मार्जिन है जिससे पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद पाटन जारी है । इससे यह पता चलता है कि यूरोप से पाटन जारी रहने की सम्भावना है क्योंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं आया है जिससे यह पता चले कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन बंद हो सकता है ।

(iv) घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है जैसा कि अलग-अलग मापदंडों से स्पष्ट होता है । तथापि, सबद्वंद्व देशों द्वारा पाटन जारी रखने वा उसकी पुनरावृत्ति होने से क्षति हो सकती है ।

## ट. अंतिम निष्कर्षः

80. क्षति की वर्तमान स्थिति के आकलन के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों की जांच की है और क्षति की मौजूदगी तथा पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी की जांच करने के लिए कीमतों और लाभप्रदता पर उनके प्रभाव की जांच की है ।

81. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना और किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी के समक्ष हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए तथ्यों को ध्यान में रखते हुए या उपर्युक्त जांच परिणामों में रिकार्ड किए गए अन्य तथ्यों और वर्तमान तथा संभावित पाटन और क्षति की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर और पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि :

- (i) चीनी ताइपेई के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उनके सामान्य मूल्य से अधिक और अपाटित कीमत पर किया गया है तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को परिणाम क्षति की कोई संभावना नहीं है ।
- (ii) मै. पी.टी. असाहिमास, इंडोनेशिया के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात जांच अवधि के दौरान उसके सामान्य मूल्य से अधिक और अपाटित कीमत पर किया गया है तथापि, कीमतें अविश्वसनीय पाई गई हैं और पाटन होने की संभावना है । अन्य निर्यातिकों के निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किए गए हैं जिससे पाटन हुआ है । पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने से घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है ।
- (iii) ईयू (फ्रांस को छोड़कर) मूल की वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर हुआ है और पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने से घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है ।

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति की बहाली की जा सके जो देश के सामान्य हित में है । इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लगाने से पाटन से मिलने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की व्यापक उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा । उपभोक्ता अब भी दो या उससे अधिक आपूर्ति के स्रोत रख सकते हैं ।

## ठ. सिफारिशें

83. इस आशय का निष्कर्ष निकालने के बाद कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीनी ताइपेई को छोड़कर संबद्ध देशों से आयात के कारण पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति

होने की संभावना है, प्राधिकारी की राय यह है कि इंडोनेशिया तथा ई यू (फ्रांस को छोड़कर) से हुए आयातों के संबंध में उपाय की अवधि बढ़ाने की जरूरत है ।

84. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन या क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि मूल जांच में और मध्यावधि समीक्षा में संदर्भ कीमत आधार पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में यथाइंगित संदर्भ कीमत और पहुंच मूल्य के बीच अंतर के रूप में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश करते हैं यदि आयात के समय पहुंच मूल्य कॉलम 9 में दर्शाए गए मूल्य से कम हो ।

क्र. सं.	उप-संख्या	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उदाहरण का देश	विनिर्देशन का देश	उत्पादन	नियातक	राशि	भाप की दूरी	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	281511 281512	कार्सिक सोड	कोई देश	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	प्र.टी.असाहिमास कैनिकल	प्र.टी. द्राइफोन एनजी ट्रि. अमरीका	415.46	जीरमटी	अम.डॉ.
2.	-वही-	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	उपरोक्त क्र.सं. 1 से इतर अन्य कोई	415.46	-वही-	-वही-	
3.	-वही-	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया	चीनी ताइपेई और ईयू से इतर अन्य कोई देश (फ्रांस को छोड़कर)	कोई	कोई	415.46	-वही-	-वही-
4.	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई और ईयू से इतर अन्य कोई देश (फ्रांस को छोड़कर)	इंडोनेशिया	कोई	कोई	415.46	-वही-	-वही-
5.	-वही-	-वही-	-वही-	ईयू (फ्रांस को छोड़कर)	ईयू (फ्रांस को छोड़कर)	कोई	कोई	415.46	-वही-	-वही-
6.	-वही-	-वही-	-वही-	ईयू (फ्रांस को छोड़कर)	इंडोनेशिया और चीनी ताइपेई से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	415.46	-वही-	-वही-
7.	-वही-	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया और चीनी ताइपेई से से इतर अन्य कोई देश	ईयू (फ्रांस को छोड़कर)	कोई	कोई	415.46	-वही-	-वही-

85. इस प्रयोजनार्थ पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए जाने वाले शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी शुल्क होंगे ।

86. इस सिफारिश से उत्पन्न केन्द्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th March, 2009

**FINAL FINDINGS**

**Subject :** Sunset Review of Anti-Dumping duties imposed on imports of Caustic Soda originating in or exported from EU (excluding France), Indonesia and Chinese Taipei (Taiwan).

**No. 15/11/2008-DGAD.**—Whereas, the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of Caustic Soda (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from EU (excluding France), Indonesia and Chinese Taipei (Chinese Taipei) ( hereinafter referred to as subject countries) falling under Sub-heading 28151110, 28151120 and 28151200 vide Notification No 14/39/2002-DGAD dated 08.01.2003 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No. 48/2003-Customs dated 27.03.2003. The Designated Authority issued Final Findings vide Notification No 14/39/2002-DGAD dated 1<sup>st</sup> October 2003 and definitive anti dumping duty was imposed by Ministry of Finance as per Customs Notification No. 168/2003-Customs dated 14.11.2003. The Designated Authority received an application for Mid Term Review filed by an interested party and Mid Term review investigation was initiated vide Notification No. 15/5/2005-DGAD dated 03.06.2005. The Final Findings on Mid Term Review was issued by the Designated Authority vide Notification No. 15/5/2005-DGAD 02.06.2006 and the Ministry of Finance imposed anti dumping duty vide Customs Notification No. 72/2006 dated 10.07.2006

2. Whereas the Designated Authority received an application from the Alkali Manufacturers Association of India for and on behalf of Domestic Industry requesting for Sun Set Review and continuation of the Anti-Dumping Duty levied on imports of Caustic Soda originating in or exported from EU (excluding France), Indonesia and Chinese Taipei (Chinese Taipei). The request was based on the grounds that the expiry of the measures would be likely to result in a continuation or recurrence of dumping and/or injury to the domestic industry. The petitioner claimed with prima facie evidence that cessation of anti dumping duty imposed on subject goods from subject countries is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury and have requested for continuation and enhancement of the Anti Dumping Duty levied on subject goods from subject countries for a further period of five years. The Authority on the basis of the positive evidence substantiating the need for a Sunset Review initiated sunset Review vide Notification No.15/11/2008-DGAD dated 7.3.2008 in accordance with Section 9A(5) of the Act to review the need for continued imposition of duties in force and whether the expiry of Anti Dumping Duty would lead to continuation or recurrence of dumping, injury or both.

**A. PROCEDURE**

3. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:

- (i) After initiation of the Sunset Review investigation, the Authority sent questionnaires along with Initiation Notification to the domestic industry, all known exporters/producers in the subject countries in accordance with Rule 6(4) to elicit relevant information.
- (ii) The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- (iii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known producers/exporters from subject countries:-
  - (1) PT Asahimas Chemicals (ASC) - Indonesia
  - (2) PT Sulfindo Adiusaha - Indonesia
  - (3) PT Pabrik Kertas Tjiwi Kimia Tbk - Indonesia
  - (4) PT Indah Kiat Pulp & Paper Tbk - Indonesia
  - (5) Formosa Plastics Corporation (FPC) - Chinese Taipei
  - (6) Dow Chemical - Greece
  - (7) Solyte Fluor GmbH - Germany
  - (8) Bayer AG - Germany
  - (9) Enichem SpA - Italy
  - (10) BASF AG - Germany
- (iv) The following producers/exporters responded to the questionnaire in response to the above notification:-
  - 1. Formosa Plastics Corporation - Chinese Taipei
  - 2. PT Asahimas Chemical - Indonesia
  - 3. Tricon Energy Limited-Houston
- (v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations and the requisite information received from the DGCI&S has been relied upon in this investigation.
- (vi) The following domestic producers of the subject goods have provided their cost and injury information for injury investigation.
  - (1) Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd, Baroda and Dahod
  - (2) Reliance Industries Limited - Gandhar
  - (3) SIEL Chemical Complex - Rajpura
  - (4) DCM Shriram Consolidated Limited - Kota and Jhagadia
  - (5) Bihar Caustics & Chemicals - Jharkhand
  - (6) Grasim Industries Ltd. - Nagda
  - (7) DCW Ltd. - Sahupuram
  - (8) Solaris Chemtech Ltd. Karwar
- (vii) Copy of initiation notification along with the importers questionnaire was also sent to the known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

(viii) In response to the above notification, following importers or users have filed their submissions and information:-

(1) Hindustan Unilever Limited

(ix) The Authority has considered all views expressed and submissions made by the various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.

(x) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

(xi) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible to examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicants so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

(xii) In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 16.12.2008. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally.

(xiii) Copies of the Initiation Notification were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM for wider circulation

(xiv) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

(xv) \*\*\*\* In the statement represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

(xvi) In accordance with Rule 16 of Rules Supra the essential facts basis considered for these findings have been disclosed to known interested parties and comments received thereon duly considered in the findings.

(xvii) The period of investigation (POI) for the purpose of the present review is 1<sup>st</sup> Jan 2007 to 31<sup>st</sup> December 2007 (12 months). However, injury analysis carried out the years 2004-2005, 2005-2006, 2006-07 and POI.

**B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:**

**B.1 Views of the domestic industry**

4. Following issues have been raised by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

- (i) Present investigation is a review investigation and accordingly product under consideration remains the same as has been defined in the original investigation. There has been no significant development in the product over the period.
- (ii) The subject goods produced by the domestic industry are like article to the imported subject goods.

#### **B.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties**

- 5. None of the opposing party has made any submission with regard to product under consideration and like article.

#### **B.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

- 6. The product under consideration in the present case is Caustic soda, which is chemically known as Sodium Hydroxide (chemical nomenclature NaOH). Being a sunset review investigation, product under consideration in the present application is the same as has been in the original investigation. In the Final Findings of the original investigation, the product under consideration has been defined as follows:-

*"The product under consideration in the present investigation is Sodium Hydroxide (chemical nomenclature NaOH), commonly known as Caustic Soda originating in or exported from Chinese Taipei, Indonesia and EU (excluding France). Caustic soda is an inorganic, soapy, strongly alkaline and odorless chemical and finds application in various fields like manufacture of pulp and paper, newsprint, viscose yarn, staple fibre, aluminium, cotton, textiles, toilet and laundry soaps, detergent, dyestuffs, drugs and pharmaceuticals, petroleum refining etc. Caustic soda is produced in two forms, i.e. lye and solids by three technology processes, i.e mercury cell process, diaphragm process and membrane process. The difference in these processes does not mean difference in product in terms of various characteristics. Caustic soda is classified under chapter 28 of the customs Tariff Act, 1975 under Customs Head 2815.11 and 2815.12. As per ITC Eight Digit classification, the product is classified under the Custom Heading 2815.1101, 2815.1102 and 2815.1200. The classification, is however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.*

*It is a well known fact that world over including in India, the Caustic Soda is produced and sold primarily in lye form as (1) Caustic Soda is used in huge quantities, therefore, transportation in lye form even after paying higher transportation cost due to low concentration results in lower effective cost to the purchaser, (2) The conversion of flake requires additional cost. Therefore, the Authority notes that Caustic Soda solid form can be used where lye form is required. The Caustic Soda is produced and sold primarily in lye form as Caustic Soda is used in huge quantities, therefore, transportation in lye form results into lower effective cost even after paying higher transportation for low concentration liquid Caustic Soda. The Authority, therefore, notes that the difference in prices is due to the difference in concentration, higher cost of transportation in lye form vis-a-vis incremental conversion cost required for making solid form.*

*The Authority notes that the goods manufactured by domestic industry are like article to the goods produced, and exported from the subject countries. Both are technically and commercially substitutable and the consumers are using the domestically produced and imported goods interchangeably. The Authority,*

therefore, notes that the investigation covers all forms of caustic soda both Lye and flakes, and all different forms of the subject goods are used substitutably depending on the requirement of the user. The Authority in view of submissions made by interested parties and keeping in view the substitutability and interchangeability of the goods exported from subject countries and those produced by the Domestic Industry, considers the subject goods exported and the domestically produced subject goods as like article as per Rule 2(d) of rules Supra. The Authority further for the purposes of dumping margin has made appropriate comparisons on DMT basis only."

7. The Authority has noted that none of the opposing interested parties has raised any objection with regard to the product under consideration and like article. The Authority therefore confirms the determination made in the original investigation and mid term review investigation in this regard.

### C. Domestic Industry

#### C.1 Views of the domestic industry

8. The petition has been filed by Alkali Manufacturers Association of India for and on behalf of the domestic industry and all producers of Caustic Soda in India are members of the Association. Following producers have expressly supported the petition and provided costing and injury information:-

- (1) Gujarat alkalies & Chemicals Ltd, Baroda and Dahej
- (2) Reliance Industries Limited - Gandhar
- (3) SIEL Chemical Complex - Rajpura
- (4) DCM Shriram Consolidated Limited – Kota and Jhagadia
- (5) Bihar Caustics & Chemicals - Jharkhand
- (6) Grasim Industries Ltd. - Nagda
- (7) DCW Ltd. – Sahupuram
- (8) Solaris Chemtech Ltd. Karwar

9. In addition to the above, M/s. Andhra Sugars Limited and Punjab Alkalies & Chemicals have supported the investigation and they must be considered as "domestic industry" within the meaning of the rules.

10. The production of participating companies constitutes a major proportion (more than 50%) in Indian Production and therefore petitioner should be treated as "domestic industry" within the meaning of the Rules.

#### C.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

11. The interested parties have argued that the composition of the domestic industry changed in the mid-term review investigation and Injury should be examined for domestic industry as a whole. As all producers are members of Association and therefore, injury information should be filed for all producers, else, domestic industry should be declared as non-cooperative. Moreover, there is inconsistency in the data/information filed.

### **C.3 Examination by the authority**

12. The Authority has noted that arguments of the opposing interested parties with regard to changing composition of domestic industry have been without giving any legal or factual basis. It is noted that there has been no legal requirement that the scope and constitution of the domestic industry in Sunset Review investigation and in the original investigations should be the same. It could not be established that how the investigation has got distorted because of the changing composition of the domestic industry.

### **D. DUMPING DETERMINATION: Normal Value, Export Price and Dumping Margin**

#### **D.1 Views of the domestic industry**

13. The normal value in subject countries should be determined on the basis of prevailing prices of Caustic Soda prevailing in the domestic market of subject countries. The normal values have been claimed on the basis of price prevailing in subject countries on the basis of Chlor Alkali. Export price has been claimed on the basis of weighted average of the import prices. It has been stated that considering the expenses incurred between CIF import price and ex-factory level, it would be seen that the Foreign Producers have continued dumping.

14. It has been further stated that dumping from subject countries is likely to continue in the event of revocation of anti dumping duties. In fact, dumping is likely to intensify in the event of revocation of anti dumping duties as production capacities in each of the subject country/territory have been far above the domestic demand.

#### **D.2 Views of exporters/importers and other interested parties**

15. M/s PT Asahimas Chemicals (ASC) - Indonesia and M/s Formosa Plastics Corporation (FPC), Chinese Taipei have claimed that subject goods exported to India were not exported at dumped prices and they do not have unutilized capacities available at their end. It has been further stated that there is no ground, on the basis of which the Designated Authority can determine that exports of subject goods likely to lead to recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

#### **D.3 Examination by the Authority**

16. The Authority has noted that Sunset Review application has been filed by Alkali Manufacturers Association of India and all producers of subject goods are members of the Association. The data for investigation and verification have been provided by the members mentioned at Para 9 above. The Authority has also noted that standing need not to be checked during Sunset Review. The Authority has also noted that cost elements have to be taken into account in accordance with Article 2.2.1.1 of ADA and Para 1 of Anti Dumping Rules as per books of records kept by the producer/exporter and accordingly has calculated the elements of costs for the cooperating producers/exporters and different producers of the domestic industry.

**D.4 CHINESE TAIPEI:****D.4.1 Normal value**

17. The Authority sent copies of the exporter's questionnaire to all known producers/exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1)(c). M/s. Formosa Plastics Corporation (FPC) has submitted its response to the exporters' questionnaire. They have exported the subject goods to India during the period of investigation and the same has been verified by the Designated Authority during the verification visit. The cooperating exporter M/s Formosa Plastics Corporation (FPC) provided information on transaction-wise details of sale in home market. For the purpose of determination of normal value, the domestic sales of the goods produced by the company have been taken into consideration. The adjustments have been claimed towards Rebate, Inland freight, Packing, and Credit cost. The normal value after adjustments on verification has been determined as US\$ \*\*\*\* per DMT.

**D.4.2 Export price for M/s Formosa Plastic Corporation and M/s Tricon Energy Ltd., Houston, USA**

18. The exporter provided transaction-wise information on export sales to India. The export sales made through M/s Tricon Energy, Houston, USA have been taken into consideration. The sales price from M/s Formosa to M/s Tricon has been taken into consideration for determination of net export price. From the sale price of M/s Formosa Plastic Corporation, for calculating the net export price the expenses on account of Inland freight, Trade promotion fee, Harbor service fee, Ocean freight, Marine insurance, Commission, Clearance & handling, loading and ancillary expenses, Packing expenses, Bank charges, Negotiation interest, etc. have been adjusted. After allowing these deductions as verified, the net export price has been determined as US\$ \*\*\*\* per DMT.

**D.4.3 Export Price for Non-cooperating Exporters**

19. For Non-cooperating exporters, the net export price has been arrived on the basis of average value of Lye export transaction of the DGCI&S data. For non-cooperating exporters during the POI and the net export price has been determined as US\$ \*\*\*\* per DMT.

**D.5 Indonesia****D.5.1 Normal Value**

20. The Authority sent questionnaires to all known exporters/producers for the purpose of determination of normal value. M/s. PT Asahimas Chemical, Indonesia responded to the questionnaire. They have exported the subject goods to India during the period of investigation and the same has been verified by the Designated Authority during the verification visit. The cooperating exporter M/s PT Asahimas Chemical (ASC) provided information on transaction-wise details of sales in home market. The invoice(s) for the domestic sales were made on the Liquid MT (LMT) basis, however, for the purpose of the investigation; the same has been converted into Dry MT basis (DMT). For the purpose of determination of normal value, domestic sales of the goods

produced by the company have been taken into consideration. The adjustments claimed on account of Discount, Inland freight, Tank rental, Royalty and Credit cost have been allowed after verification. After adjustments as verified, the normal value has been determined as US\$ \*\*\*\* per DMT.

#### **D.5.2 Export price for M/s PT Asahimas Chemical and M/s Tricon Energy Ltd., Houston, USA**

21. The exporter provided transaction-wise information on export sales to India. The export sales have been made through M/s Tricon Energy, Houston, USA and taken into consideration. The invoices for the export sales were made on the Liquid MT (LMT) basis, however, for the purpose of the investigation, the same has been converted into Dry MT basis (DMT). The sales price from M/s PT Asahimas to M/s Tricon has been taken into consideration for determination of net export price. From the sale price of M/s PT Asahimas, for determination of net export price, the expenses on account of bank charges, have been adjusted. After making these deductions as verified, the net export price has been determined as US\$ \*\*\*\* per DMT.

#### **D.5.3 Export Price for Non-cooperating Exporters**

22. For Non-cooperating exporters, the net export price has been calculated on the basis of lowest value export transaction of the DGCI&S data. For non-cooperating exporters, the net export price has been determined as US\$ \*\*\*\* per DMT.

### **D.6 EU (Excluding France)**

#### **D.6.1 Normal value**

23. The Authority sent questionnaires to all known producers/exporters for the purpose of determination of normal value and dumping margin. None of the exporters/producers from EU (excluding France) filed submissions and response to the questionnaire in the form and manner prescribed. Article 6.8 of the Agreement provides that in case an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period or significantly impedes the investigation, preliminary and final determinations, affirmative or negative, may be made on the basis of the facts available. Since none of the exporters/producers from EU (excluding France) has filed the submissions for determination of normal value, the normal value for all exporters/producers has been determined based on the facts available as per Rule 6(8) of AD Rules. The domestic industry has submitted that it made best efforts to procure evidence of the domestic prices prevailing in the domestic market but could not procure actual transaction prices for the period of investigation. Since actual transaction information is unavailable, the domestic industry submitted that information provided by Chlor Alkali price can be considered as a reasonable and sufficient basis for determination of normal value with appropriate adjustments. In the absence of better information, the information provided by the domestic industry from the secondary sources, i.e., Chlor Alkali price has been considered as the basis for determination of normal value. The past investigations have revealed that the prices

published in Chlor Alkali have been quite close to the actual transaction prices. Thus, the Authority considers that the prices reported in Chlor Alkali are quite representative and reasonable evidence of normal value of the subject goods in subject territory. The normal value has been therefore determined on the basis of prices published in Chlor Alkali. The prices have been considered as delivered prices and an adjustment for possible inland freight have been made to determine the normal value at ex-factory level. The normal value has been accordingly determined as US\$ \*\*\*\* per DMT for all exporters / producers from European Union (excluding France).

#### **D.6.2 Export price:**

24. The export price has been determined on the basis of transaction wise import statistics provided by DGCI&S containing bill of entry no., date, country code, quantity, value, description of the product and name of the importer etc. On examination of import data, it has been found that the transaction wise data provided by the DGCI&S were having import data of other products also. Therefore, import data was analyzed and segregated for the product under consideration, which was further, segregated for caustic soda lye and flake/solid forms. As per DGCI&S import statistics for the POI, subject territory did not export caustic soda liquid/flakes during the POI. However, as per IRIIS data, there is export of \*\*\*\* MT at US\$ \*\*\*\* per MT. The ex-factory export price has been accordingly determined as US\$ \*\*\*\* per MT for all exporters/ producers from EU (excluding France).

#### **E. Dumping margin**

25. Considering the normal value and export price determined as detailed above, dumping margin has been determined in respect of imports reported in India during the investigation period as given in the following table.

	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
Producer/Exporter	US\$/DMT	US\$/DMT	US\$/DMT	%	Range(%)
<b>Chinese Taipei</b>					
Formosa & Tricon	****	****	****	****	(1-8)
Others	****	****	****	****	(10-20)
<b>Indonesia</b>	****	****	****	****	
PT Asahimas & Tricon	****	****	****	****	(8-15)
Others	****	****	****	****	1-10
<b>All producers/exporters from European Union(Excluding France)</b>	****	****	****	****	5-15

## F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

### F.1 Injury Determination

### F.2 Views of exporters, importers, users etc

26. The opposing interested parties have argued that there have been no injury to the domestic industry and performance of the domestic industry has improved after imposition of anti dumping duty and the Authority should terminate the investigation as there is no injury or threat thereof to the domestic industry. Injury to the domestic industry, if any, is self inflicted. There is no information or credible evidence to show that there is likelihood of recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

#### F.2.1 Views of the domestic industry

27. The domestic industry has raised following arguments with regard to injury and causal link:-

- (i) Even after the improvement in the performance of the domestic industry, return on investment is still insufficient.
- (ii) The market share of the domestic industry has marginally improved and imports from other countries attracting duties have increased with the significant surge during the investigation period and clearly establishes vulnerability of the domestic industry.
- (iii) In spite of increase in sales and market share of the domestic industry, the price at which subject goods are being sold by the domestic industry do not provide due relief to the domestic industry due to continued availability of dumped material in the Indian market.
- (iv) Performance of the domestic industry in terms of various price parameters, such as profits, return on investments and cash flow has declined from base year and return on investment is not sufficient.
- (v) Past investigations have shown that market for caustic soda is highly price sensitive and the imports are being made in view of the fact that the landed price of imports have been lower than selling price of the domestic industry. The market is so price sensitive that a difference of Rs. 500 PMT leads to loss of order.
- (vi) The subject goods would enter the Indian market from subject countries at dumped prices below the selling price and non-injurious price of the domestic industry.
- (vii) That the subject countries have huge production capacities with freely disposal capacities and the unutilized capacities are 297000 MT in case of Indonesia

105000 MT in case of Chinese Taipei and 1833000 MT in case of EU(excluding France) and injury to the domestic industry is likely in the event of revocation of anti dumping duties.

#### **F.2.2 Examination by the Authority**

28. The Authority has noted that for the sunset review, the relevant provisions of Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act read as under:

*"The anti-dumping duty imposed under this section shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition: Provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension."*

29. The Authority has noted that Rule 23 of the Anti-dumping Rules provide for procedure for conducting sunset review. The Authority also notes that as per Rules, present state of injury is to be assessed in the sunset review.

30. The Authority has noted that Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. The Authority has considered the price effect of the dumped imports, to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

31. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has noted the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

32. The Authority has taken note of various arguments on injury and considered the relevant issues raised at appropriate places. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties.

### **F.2.3 Assessment of demand**

33. For the calculation of the domestic consumption/demand of the product under consideration, the Authority has considered the sales volume of the domestic industry and other Indian producers as well as the total imports into India.

Unit in MT	2004-05	2005-06	2006-07	Jan'07-Dec'07(POI)
Domestic Sales of Domestic industry	****	****	****	****
Trend	100	105	107	117
Captive of Domestic industry	****	****	****	****
Trend	100	93	96	103
Sales of Other Indian Producers	****	****	****	****
Trend	100	108	110	108
Total Imports	59522	54526	147480	138298
Trend	100	92	248	232
Demand	1840950	1938640	2067840	2135692
Trend	100	105	112	116
Export Sales of Domestic industry	****	****	****	****
Trend	100	145	169	147

34. The Authority has noted that the demand has shown a positive trend over the injury period and increased by 16% in POI from the base year 2004-05.

### **F.2.4 Import volumes and market share**

35. With regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure-II (ii) of the Anti-dumping rules provides as under:-

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India .....

36. The Authority has examined the claim of the domestic industry as per DGCI&S data and has also considered the questionnaire response filed by the responding

exporters. The Authority has determined the volume of imports based on DGCI&S source only.

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	Jan'07-Dec'07(POI)
<b>Market share in Imports</b>					
Indonesia	MT	4,328	-	3,352	17,068
Trend	Indexed	100	-	77	394
Chinese Taipei	MT	-	-	-	829
Trend	Indexed	-	-	-	-
EU excluding France	MT	2,679	6,304	6,038	-
Trend	Indexed	100	235	225	-
Subject Countries	MT	7,007	6,304	9,390	17,897
Trend	Indexed	100	90	134	255
Other Countries attracting anti-dumping duty	MT	27,155	46,325	131,954	114,361
Trend	Indexed	100	171	486	421
Other Countries	MT	25,359	1,897	6,136	6,041
Trend	Indexed	100	7	24	24
Total Imports	MT	59,521	54,526	147,480	138,299
Trend	Indexed	100	91.61	247.78	232.35
<b>Market share in Imports</b>					
Indonesia	%	7.27	-	2.27	12.34
Chinese Taipei	%	-	-	-	0.60
EU excluding France	%	4.50	11.56	4.09	-
Subject Countries	%	11.77	11.56	6.37	12.94
Other Countries attracting anti-dumping duty	%	45.62	84.96	89.47	82.69
Other Countries	%	42.60	3.48	4.16	4.37
<b>Market share in Demand</b>					
Indonesia	%	0.24	-	0.16	0.80
Chinese Taipei	%	-	-	-	0.04
EU excluding France	%	0.15	0.33	0.29	-
Subject Countries	%	0.38	0.33	0.45	0.84
Countries attracting anti-dumping duty	%	1.48	2.39	6.38	5.35
Other Countries	%	1.38	0.10	0.30	0.28
Domestic industry	%	50.32	49.63	47.39	50.11
Other Indian Producers	%	46.45	47.56	45.47	43.42

37. The Authority has noted that:

- a) The volume of total imports has increased from 2004-05 to POI.
- b) Share of subject countries in total imports into India declined from 0.38% in 2004-05 to 0.33% in 2005-06 and thereafter increased to 0.45% in 2006-07 and 0.84% during POI.
- c) The market share in demand in respect of imports from subject countries was only 0.38% during 2004-05 and increased to the level of 0.84% during POI. At the same time, share of other countries already attracting anti dumping duties has also increased from 1.48% to 5.35% over the same period. The share of domestic industry, which was 50.32% during 2004-05 has declined marginally to 50.11% during POI.

38. The Authority has noted that even when the imports from subject countries attracted anti dumping duties, the imports have marginally increased from 0.38% in 2004-05 to 0.84% during POI.

#### **F.2.5 Price effect of the dumped imports on the Domestic Industry**

39. In a review investigation, it is required to examine whether there has been a significant price effect by the dumped imports as compared with the price of like product in India or whether there is likelihood of recurrence of price effect after revocation of duty.

40. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

#### **F.2.6 Price undercutting**

41. In order to ascertain the price undercutting being caused by the dumped imports, the Authority has compared net sales realization of the domestic industry with the landed price of imports. The net sales realization has been arrived after deducting all rebates and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charges and applicable basic customs duty to the CIF value of subject imports. The landed value of imports compared with net sales realization of the domestic industry shows that the imports from Indonesia and Chinese Taipei have not been undercutting the prices of the domestic industry during POI and there have been no exports from EU (excluding France) during POI and accordingly price undercutting in that case could not be ascertained. Therefore, price for the period 2006-07 has been considered for the POI in respect of Caustic Soda Lye in case of EU (excluding France). DGCI&S data for

the period 2006-07 shows that import of Caustic Soda Flakes from EU (excluding France) has been \*\*\*\* MT only at a price of Rs. \*\*\*\* per MT which is quite abnormal.

	2004-05	2005-06	2006-07	Jan'07-Dec'07(POI)
<b>CIF export price Rs/MT (Lye)</b>				
Indonesia	****	-	****	****
EU-Excluding France	****	****	****	****
<b>CIF export price Rs/MT (Flake)</b>				
Indonesia	-	-	****	-
Chinese Taipei	-	-	-	****
EU-Excluding France	****	****	****	-
<b>Landed price of imports (Lye)</b>				
Indonesia	****	-	****	****
EU-Excluding France	****	****	****	****
<b>Landed price of imports (Flake)</b>				
Indonesia	-	-	****	-
Chinese Taipei	-	-	-	****
EU-Excluding France	****	****	****	-
<b>Net sales realization (Rs/Mt)</b>				
Lye	****	****	****	****
Flake	****	****	****	****
<b>Cost of sales (Rs/Mt)</b>				
Lye	****	****	****	****
Flake	****	****	****	****
<b>Price undercutting price Rs/MT</b>				
Indonesia - Lye				****
Chinese Taipei - Flake				****
EU (excluding France) - Lye				****

#### F.2.7 Price Underselling

(Value in Rs./MT)

Net Sales Realisation (Lye)	****
Net Sales Realisation (Flake)	****
Net Sales Realisation (weighted average)	****
Non Injurious Price (Lye)	****
Non Injurious Price (Flake)	****

NIP (weighted average)	*****
Landed Value - Solid (Chinese Taipei)	*****
Price Underselling-Lye (Chinese Taipei)	****
Price Underselling (%)—Solid	*****
Price Underselling (%) range	(1-10)
Landed value (Indonesia) – Lye	*****
Price Underselling (Indonesia)-Lye	*****
Price Underselling (%) – Lye	****
Price Underselling(%) range	1-10
Landed Value (EU except France) – Lye & Solid	*****
Price Underselling (EU except France) – Lye & Solid	*****
Price Underselling (%) – Wt. Avg.	****
Price Underselling(%) range	5-15
Landed value (Subject Countries)	*****
Price Underselling	****
Price Underselling (%)	****
Price Underselling range	10-20

42. The price underselling have been negative in case of Chinese Taipei and EU (excluding France) while same has been positive in case of Indonesia during POI.

#### F.2.8 Price suppression/depression

43. In order to assess whether the imports from the subject countries were suppressing/ depressing the prices of the domestic industry, the Authority compared the trends in selling prices and cost of production.

Unit in MT	2004-05	2005-06	2006-07	Jan'07- Dec'07(POI)
Net sales realization (Rs/Mt)				
Lye	****	****	****	****
Trend	100	111	119	118
Flake	****	****	****	****
Trend	100	112	126	121
Cost of sales (Rs/Mt)				
Lye	****	****	****	****
Trend	100	108	121	128
Flake	****	****	****	****
Trend	100	112	116	115

44. The Authority has noted that selling prices of the domestic industry increased over the years, however, increase in selling price has been lower than increase in cost of production, in case of caustic soda lye only and there has been no price suppression in case of caustic soda flakes as increase in selling price is higher than increase in cost of production.

### **F.3 Economic Parameters relating to the Domestic Industry**

45. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an object examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

#### **F.3.1 Production, sales, capacity and capacity utilization**

46. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry has been as under:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Capacity	MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	109	128	129
Production	MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	108	111	121
Domestic sales	MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	104	106	116
Capacity utilization	%	97.70	95.28	84.85	91.87
Trend	Indexed	100	98	87	94
Unutilized Capacity	MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	224	841	455

47. The Authority has noted that capacity, production and sales of the domestic industry increased in absolute terms but capacity utilization declined over the period till 2006-07, which increased in POI.

### **F.3.2 Profit, return on capital employed and cash flow**

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
<b>Profit/(Loss) (PBT)</b>	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	133	145	98
<b>Profit/(Loss) before interest (PBIT)</b>	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	119	131	95
<b>Return on investment (NFA basis)</b>	%	9.01	9.74	9.82	7.73
Trend	Indexed	100	108	109	86
<b>Cash profits</b>	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	123	136	108

48. The profit of the domestic industry increased up to 2006-07 and declined in POI.

49. The domestic industry improved its return on investments up to 2006-07 and the same declined during POI.

50. All the domestic producers part of domestic industry are multi product companies and cash flow situation of the companies would not be indicative of the situations in the subject product. The Authority has examined cash profits over the years and the same position with regard to cash profit shows that it improved upto 2006-07 and the same declined in POI.

### **F.3.3 Employment, wages and productivity**

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
<b>Number of employees</b>	Nos.	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	98	97	95
<b>Wages</b>	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	114	134	136
<b>Productivity</b>	MT/person	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	109	114	127

51. The Authority has noted that employment has declined over the years. Wages have shown increase, which appears normal. Productivity, expressed in terms of production per employee has shown improvement.

### **F.3.4 Inventories**

52. Average stock of finished products with the domestic industry has shown increasing trend in absolute term as also in relation to number of days' sales.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Average stock	Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	79	85	152
No. of days sales in stock	Days/Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	75	76	126

### **F.3.5 Growth**

53. The capacity, production, productivity and sale have shown positive growth throughout the period. The profits and return on the capital employed increased upto 2006-07 and the same declined in POI.

### **F.4 Injury margin**

54. Considering the Non-injurious price (NIP) and landed value, injury margin has been arrived for the investigation period as given in the following table.

	<u>NIP</u>	<u>Landed Value</u>	<u>Injury Margin</u>	<u>Injury Margin</u>	<u>Injury Margin</u>
Producer/Exporter	US\$/DMT	US\$/DMT	US\$/DMT	%	Range (%)
<b>Chinese Taipei</b>					
Formosa & Tricon	****	****	****	****	(1-10)
Others	****	****	****	****	1-10
<b>Indonesia</b>					
PT Asahimas & Tricon	****	****	****	****	1-10
Others	****	****	****	****	5-15
<b>All producers /exporters from European Union(Excluding France)</b>	****	****	****	****	(1-10)

### **G. Others Known Factors which could be contributing injury to domestic industry**

#### **G.1 Volume and prices of imports from other sources**

55. The total Imports from all countries increased from 59521 MT in 2004-05 to 138299 MT in POI. It has also been noticed that some other countries have also been attracting anti-dumping duty during the injury period and POI. The imports from other countries not attracting anti-dumping duty has declined from 25359 MT in 2004-05 to 6041 MT during POI and therefore, it does not appear to be a factor affecting the performance of the domestic industry.

### **G.2 Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

56. The demand of the subject goods has increased by 16% (indexed) during POI as compared to base year. Contraction in demand, therefore, is not a possible reason, which could be affecting the performance of the domestic industry.

### **G.3 Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

57. The subject goods have been freely importable and there no trade restrictive practices in the domestic market. Therefore, this factor could not be reason affecting the performance of the domestic industry.

### **G.4 Development of technology and export performance**

58. Technology for production of the product is same for the domestic industry and as used by the producers in the subject countries and accordingly development in technology is not a factor which could affect the performance of the domestic industry.

59. The domestic industry has a very small export activity i.e. 3.67% of their total sales (including captive) during the POI and the export sales cannot be considered a factor affecting the performance of the domestic industry.

### **G.5 Productivity of the Domestic Industry**

60. Productivity of the domestic industry measured as production per employee have improved from \*\*\*\* MT/person in 2004-05 to \*\*\*\* MT/person during POI and can not be considered a factor affecting the performance of the domestic industry.

## **H. Causal Link, Likelihood of Continuance or Recurrence of Dumping and Injury**

### **H.1. Views of the Domestic Industry**

61. The domestic industry has raised the following arguments:

- (i) The return on investment of the domestic industry is still insufficient.
- (ii) The market share of the domestic industry has marginally improved and imports from other countries attracting duties have increased with the significant surge during the investigation period and dumped imports from subject countries shall surge in case duties are withdrawn.
- (iii) Due to continued availability of dumped material in the Indian market, the price at which subject goods are being sold by the domestic industry do not provide due relief to the domestic industry.

- (iv) Performance of the domestic industry in terms of various price parameters, such as profits, return on investments and cash flow has declined from base year and return on investment is not sufficient.
- (v) Past investigations have shown that market for caustic soda is highly price sensitive and the imports are being made in view of the fact that the landed price of imports has been lower than selling price of the domestic industry. The market is so price sensitive that a difference of Rs. 500. PMT leads to loss of order.
- (vi) The subject goods would enter the Indian market from subject countries at dumped prices below the selling price and non-injurious price of the domestic industry.
- (vii) That the subject countries have huge production capacities with the unutilized capacities of 297000 MT in case of Indonesia, 105000 MT in case of Chinese Taipei and 1833000 MT in case of EU(excluding France) and injury to the domestic industry is likely in the event of revocation of anti dumping duties.

## **H.2 Views of M/s. PT Asahimas Chemical, Indonesia**

62. M/s PT Asahimas, Indonesia have stated that during the post-POI period i.e. 2008, they did not export to India. Moreover, they exported to different countries at a higher price in 2008 than the export price to India in the POI. They have also stated that they do not have any unutilized capacity as they utilized their capacity to the extent of 98.02% during the POI or increasing inventories, thus, they have no propensity to dump the subject goods to India.

63. It has been informed that there are four other producers of the subject goods in Indonesia viz. PT. Sulfindo Adiusaha, PT Pabrik Kertas Tjiwi Kimia, PT. Indah Kiat Pulp & Paper and PT Pindo Deli having approx. capacity 225000 DMT, 65000 DMT, 110000 DMT and 40000 DMT per annum respectively. It was also informed that PT Pabrik Kertas Tjiwi Kimia and PT Pindo Deli both use subject goods captively as well as sell in the market and PT. Indah Kiat Pulp & Paper have captive consumption only.

## **H.3 Views of M/s Formosa Plastic Corporation, Chinese Taipei**

64. M/s Formosa, Chinese Taipei has stated that a) there is no dumping of the subject goods exported to India and b) there is also no injury of the exports made to India, both in terms of volume and price. In terms of the exports to India, its share is only 0.53% of the total imports and mere 0.043% of the demand of India during the POI. Even after the POI, the exports have reduced to the extent of 11.90 % of what has been exported to India during the Period of Investigation (i.e. from 941 MT during the POI to 112 MT during 2008). The total sales to India are less than 0.0001% of the total sales of the Company. Moreover, they do not export Caustic Soda Lye to India. By way of

journal relied upon published by Chlor Alkali Report, it clearly shows that the exports have been made in line with the international pricing. The exports are mainly made to the US and Australia. The exports made in the mid year of 2008 to other countries especially Asia Pacific, wherein India forms part of the same are in line with international pricing sourced from Harriman reports.

65. It has been informed that there are four other producers in Taiwan viz. CGPC, Taiwan Chlorine Industry, Yee Fong Chemicals and Chung Hwa Pulp with approx. capacity of 33000 DMT, 125000 DMT, 77000 DMT and 17000 DMT per annum respectively. Taiwan Chlorine Industry and Yee Fong Chemicals both use PUC captively as well as sell in the market. Chung Hwa Pulp use PUC captively only.

#### H.4 Examination by the Authority

66. The imports from Indonesia and Chinese Taipei have not been undercutting the price of the domestic industry as detailed at Para 42 above.

67. In respect of Indonesia and Chinese Taipei, the data reported in the World Trade Atlas has also been analyzed and indicate that the prices from these countries to other countries and India are in line though the exports to India are insignificant in comparison to exports made to other countries.

68. The data of exports from Indonesia and Chinese Taipei as per World Trade Atlas (WTA) is as under:

#### Export of Caustic Soda Lye (CSL) and Caustic Soda Flake (CSF) from Indonesia and Chinese Taipei to India and other countries

##### Indonesia

US\$/MT

Particulars	Unit	2005	2006	2007	2008
World	Caustic Soda Lye-Quantity	59393	78876	79288	Not Available.
	Caustic Soda Lye-Price	280	290	280	Not Available.
India	Caustic Soda Lye-Quantity	7075	3210	17125	Not Available.
	Caustic Soda Lye-Price	310	720	280	Not Available.
	% of Quantity export to India as to total exports to World	11.91	4.18	21.80	Not Available.
World	Caustic Soda Flake-Quantity	5164	8781	10257	Not Available.
	Caustic Soda Flake-Price	310	300	380	Not Available.
India	Caustic Soda Flake-Quantity	-	1031	-	Not Available.
	Caustic Soda Flake-Price	-	600	-	Not Available.
	% of Quantity export to India as to total exports to World	-	11.74	-	Not Available.

69. It has been observed from the above that the average FOB export price of Indonesia to India of Caustic Soda Lye has been US\$ 280 per MT which is in line with

the export price to the World i.e. US\$ 280 per MT during POI. There has been no export of Caustic Soda Flakes to India during POI. The WTA data is not available for Indonesia for 2008 i.e. post-POI period.

Chinese Taipei

US\$/MT

Particulars	Unit	2005	2006	2007	2008
World	Caustic Soda Lye-Quantity	517808	621926	764914	739780
	Caustic Soda Lye-Price	212.38	196.56	197.65	311.92
India	Caustic Soda Lye-Quantity	-	-	-	50
	Caustic Soda Lye-Price	-	-	-	199.54
	% of Quantity export to India as to total exports to World	-	-	-	0.01
World	Caustic Soda Flake-Quantity	23086	21146	59643	147746
	Caustic Soda Flake-Price	308.73	303.01	352.04	303.09
India	Caustic Soda Flake-Quantity	140	-	951	131
	Caustic Soda Flake-Price	274.21	-	357.24	323.19
	% of Quantity export to India as to total exports to World	0.61	-	1.59	0.09

70. It has been observed from the above that the average FOB export price of Chinese Taipei to India of Caustic Soda Flakes has been US\$ 357.24 per MT which is more than the price of export to the World i.e. US\$ 352.04 per MT during POI. There has been no export of Caustic Soda Lye to India during 2005, 2006 and 2007 and during 2008 i.e. post-POI period only 50 MT has been exported to India @ US\$ 199.54/MT.

71. The Authority notes that PT Asahimas, Indonesia produced \*\*\*\* LMT of the subject goods against installed capacity of \*\*\*\* LMT during POI, utilizing their capacity to the extent of 98.02% leaving unutilized capacity to the extent \*\*\*\* LMT only. However, there has been no information about the production of the four other non-cooperative producers/exporters of the subject goods of Indonesia having total approximate production capacity of \*\*\*\* DMT as well as their domestic sales, captive consumption, exports sales and unutilized capacities and the domestic industry has shown the unutilized capacity of \*\*\*\* MT for Indonesia.

72. The Authority notes that M/s. Formosa, Chinese Taipei against their installed capacity of \*\*\*\* DMT of the subject goods produced \*\*\*\* DMT during POI, utilizing their capacity to the extent of 94.06% leaving unutilized capacity of \*\*\*\* DMT only. However, there has been no information about the production of the four other non-cooperative producers/exporters of the subject goods of Chinese Taipei having total approximate production capacity of \*\*\*\* DMT as well as their domestic sales, captive consumption, exports sales and unutilized capacities and the domestic industry has shown the unutilized capacity of \*\*\*\* MT for Chinese Taipei.

73. There has been no information about the production capacity, production, domestic sales, captive consumption, exports sales and unutilized capacities of the non-cooperative producers/exporters of the subject goods of EU (excluding France).

However, the domestic industry has shown the unutilized capacity of \*\*\*\* MT for EU (excluding France).

#### Likelihood of Continuation of Recurrence of Injury

##### **Submissions by the domestic industry on disclosure statement:**

74. The domestic industry has made following submissions on disclosure statement:

- (i) The existence of commission in case of cooperating exporters/producers is beyond the Generally Accepted Accounting Principles and Principles of Bookkeeping/Accounting.
- (ii) The disclosure statement states that price adjustment are proposed to be made on account of royalty. No adjustments on this account is permissible for the reason that royalty cannot be restricted only to domestic sales. Royalty, if payable, would be payable on all sales, regardless of market.
- (iii) The company has given information on LMT basis which has been converted into DMT. However, it is not understood how the expenses have been deducted.
- (iv) In case of Formosa, Taiwan; data available to the petitioner shows import of Flakes only. However, majority of the product is sold in lye form. Determination of dumping margin of Flake is insufficient to establish whether or not exporter is likely to resort to dumping.
- (v) There is no import of lye form from Taiwan. and export of solid form have been made due to which average domestic price of lye and solid form

Capacity	18.23	9.03	CMAI Report
Production	17.18	6.06	CMAI Report
Demand	10.40	6.30	CMAI Report
Exports	7.00	0.30	CMAI Report
Imports	0.15	0.54	CMAI Report
Excess Capacity	7.83	2.73	
Unutilized Capacity	1.05	2.97	

(xv) Given that the producers are exporting significant volumes to third countries without any contractual obligations, it is clear that export volumes from these countries must be included in "freely available/disposable production capacities".

In POI	Lye	Flake	Total
Indonesia	62,703	10,257	72,960
Taiwan	764,914	58,692	823,606

(xvi) The petitioner visited Formosa website and collected available information. The table below summarizes the position.

Capacity of the company	16.00	Lac MT	Formosa own website
Production of the company	15.53	Lac MT	Formosa own website
Domestic Sales of the company	5.22	Lac MT	Formosa own website
Domestic Sales value ('000 Taiwan Dollar)	5627232		Formosa own website
Average Domestic price	(NT) 10765	USD 327.67 per MT	Calculated from website information (exchange rate .03044 – www.oanda.com)
Export Sales of the company	7.30		Formosa own website
Export value ('000 Taiwan Dollar)	4897067		Formosa own website
Average Export price in Taiwan Dollar	(NT) 6711	USD 204.27 per MT	Calculated from website information (exchange rate .03044 – www.oanda.com)

(a) It would be seen that the price of Formosa in the domestic market is now in the region of US\$ 327.67 per MT as against prices of US\$ 204.27 per MT, leading to significant difference [dumping margin] of USD 123.40 per MT (60%).

(b) The information on company website also establishes that as against production capacity of 16 Lac MT, Formosa's domestic sale is only 5.22

would result in unfair competition. An average of lye & solid price cannot be compared with the price of solid.

- (vi) At the time of mid term review against Taiwan, the Authority had determined that there was no current dumping by the exporter. However, in respect of third country, the dumping margin was 68.83%.
- (vii) The DGAD has placed second part of the questionnaire on its website and it appears that no information on that account have been provided by the exporter and hence exporter be declared as non-cooperative.
- (viii) The fact that dumping margin (or even injury margin) is negative in respect of exporter is insufficient to revoke the current anti dumping duties.
- (ix) Disclosure statement issued clearly establishes dumping and likelihood of dumping and injury in case of Europe.
- (x) There is strong likelihood of dumping by these exporters (Indonesia and Taiwan) in the event of revocation of anti dumping duties, and following are relevant in this regard.
- (xi) The trade data released by the exporting countries show country-wise volume and price of export and significant volume is being exported from these countries to third countries as is evident from the following table:

In POI	Lye	Flake	Total
Indonesia	62,703	10,257	72,960
Taiwan	764,914	58,692	823,606

- (xii) The price at which exports are being made to third countries by Indonesia and Taiwan are far lower than the price at which material has been exported to India.

In POI	Lye	Flake
Indonesia	275.28	357.61
Taiwan	197.85	351.96
India	337.69	424.23

- (xiii) Even if it is assumed that exports to India were not at dumping price, it is evident that the export price to third countries were significantly at dumping prices.
- (xiv) Both the countries have significant freely disposable unutilized production capacities. revocation of anti dumping duties shall imply likelihood of dumping from these countries.

(Volume in Lac MT)	Taiwan	Indonesia	Remark
--------------------	--------	-----------	--------

Lac MT; thus leading to significant freely disposable production capacity of about 11 Lac MT. Even if it is assumed that in entire Australian supplies are being made by Formosa under long term contracts, the same still shows excess production and capacity of more than 5 Lac MT.

(c) During 2008, Taiwan has exported 315822 MT caustic soda to USA at a price of US\$ 200 per MT, (as per US customs data, copy enclosed). This further establishes likelihood of dumping.

(xvii) "Country of origin for the purpose of the present notification should be a country wherein production activity is undertaken by electrolysis of an aqueous solution of sodium chloride".

(xviii) It is vital and necessary to express the duty in terms of US\$.

(xix) It is vital that the anti dumping duties are expressed in terms of fixed amounts.

(xx) The non-injurious price determined is significantly lower than the non-injurious price that determined by the domestic industry. As the price of the suppressed price, the non-injurious price now determined is also suppressed non-injurious price and hence requested to review the non- injurious price.

(xxi) Petitioner submits that this clearly establishes likelihood of intensified dumping in the event of revocation of anti-dumping duties. Should the present anti-dumping duties be revoked, the exporters would be constrained to sell at prevailing prices, in line with other international suppliers.

#### **Submissions by Interested Parties:**

75. **M/s. Formosa Plastic Corporation** has made following submissions on the Disclosure Statement:

- (i) That the Authority must only examine whether the exports are being made at dumped prices as there is no dumping on their part.
- (ii) That they did not export during the last two years and during the Sunset Period of investigations and there is no dumping and injury.
- (iii) That there is no injury or threat to the domestic industry, if any, as claimed by the petition and the injury, if any, is self inflicted.

76. **M/s. Tricon Energy Limited** (exporter) from Indonesia and Taiwan has made the following submissions on the Disclosure Statement:

- (i) That the Authority must only examine whether the exports are being made at dumped prices as there is no dumping on their part.

(ii) That there is no injury or threat to the domestic industry, if any, as claimed by the petition and the injury, if any, is self inflicted.

77. M/s. P.T. Asahimas, Indonesia has stated that due to negative dumping margin, that the quantum of the injury margin is irrelevant in their case.

78. M/s. Hindustan Uniliver Limited has made following submissions on the Disclosure Statement:

(i) That the Authority must only examine whether the exports are being made at dumped prices as there is no dumping on their part.

(ii) That there is no injury or threat to the domestic industry, if any, as claimed by the petition and the injury, if any, is self inflicted.

#### J. Examination by the Authority

#### J. Examination by the Authority

79. The present investigation is a Sunset Review investigation and the Designated Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. The Authority has taken note of all the issues raised in the disclosure Statement by the Domestic Industry and other interested parties and have been dealt with at appropriate places in the final findings.

(i) It has been noted that the export from Chinese Taipei by cooperating exporter has been found to be at un-dumped prices during the POI. The Authority has also taken note of the prices as reported in WTA of the product exported from Chinese Taipei. It has been noted that average prices reported by the cooperating producer/exporter for the world exports are either comparable or higher than the reported in the WTA data. M/s. Formosa Plastic Corporation has not exported the goods to India in the preceding years. However, export reported during POI did not show any dumping and prices are comparable with the exports made to other countries.. In view of the aforesaid the Authority has accepted the export prices reported by the cooperating exporter. Concerning the other exports to India by non-cooperating exporter (not accounted for in the export report by the cooperating exporter) it has been noted that it was in form of Liquid(Lye). In this regard, it has been noted that the dumping margin is also negative for this export. In view of the fact that no exports were reported to be made during the preceding years and WTA export prices to other countries did not show any significant variation except in case of one country, the Authority is

of the view that dumping by the cooperating exporter and by other exporters from Chinese Taipei appears to be unlikely though it cannot be ruled out with certainty.

(ii) In respect of exports from Indonesia, the Authority has taken note of the prices of the product reported in the WTA for exports made from Indonesia to the world and it has been noted that average exports prices by cooperating exporter i.e. M/s/ PT Asahimas Chemical Ltd. were reported lower than that of reported in WTA.(It has also matched with the data reported in the DGCI&S, though no exports have been reported by the cooperating exporter in the preceding years). The cooperating exporter has not reported any exports to India during the preceding years however during the POI major quantity of the exports have been accounted for by the cooperating exporter in the total imports in India. During the POI exports have been made to be at un-dumped price, however, in view of the variation and lower prices by the exporter than the average prices reported in WTA it can not be safely concluded that M/s. PT Asahimas would not resort to dumping in future particularly when M/s. PT Asahimas has exported goods to India only during POI. Therefore, in view of the aforesaid, it appears that the export prices by M/s. PT Asahimas are temporary and unreliable so that the dumping margin during the POI could be avoided though the same is not supported by the pattern of prices by the exporter. In view of the above, the Designated Authority has rejected the export price by the exporter as the likelihood of dumping cannot be ruled out. And hold that there is a likelihood of recurrence of dumping from Indonesia.

(iii) In respect of the exports from the Europe except France, it has been noted that no exporter from the European Union has cooperated. The dumping margin has been determined on the basis of actual export transactions as reported in IBIS data (though these transactions have not been captured in the DGCI&S data. For determining normal value the data reported in the 'Chlor Alkali' has been relied upon. On the basis of these facts it has been noted that there is significant dumping margin for these transactions indicating that dumping is continuing despite the imposition of anti dumping duty. This indicates that there is likelihood of continuation of dumping from Europe as no other factor has come to notice of the Designated Authority indicating that the dumping may discontinue in case of revocation of anti dumping duty.

(iv) The state of domestic industry has improved as evident from different economic parameters. However, in case of continuance or recurrence of dumping by the subject countries, the injury may recur.

#### **K. FINAL FINDINGS:**

80. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

81. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- (i) The subject goods originating in or exported from Chinese Taipei has been exported to India above its normal value at un-dumped prices and there is no likelihood of recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry.
- (ii) The subjects goods originating in or exported from M/s. PT Asahimas, Indonesia has been exported to India at price above its normal value during POI at un-dumped prices, however prices have been found to be unreliable and there is likelihood of dumping. The exports by other exporters have been found below its normal value resulting in dumping. The continuance or recurring of dumping is likely to cause injury to domestic industry.
- (iii) The subject goods originating or exported from EU(excluding France) have been exported to India below its normal value at dumped prices and continuance or recurring of dumping is likely to cause injury to the domestic industry.

82. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practice, would prevent the decline of the domestic industry and help to maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

#### L. Recommendations

83. Having concluded that there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury on account of imports from the subject countries except Chinese Taipei if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended in respect of imports from Indonesia and EU(excluding France).

84. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommended imposition of definitive anti-dumping duty equal to the margin of dumping or margin of injury whichever was lesser, so as to remove the injury to the domestic industry in the original investigation as well as in Mid-Term Review on reference price basis. Therefore, the Authority recommends continuation of definitive anti dumping duty, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries, as the difference between the reference price as indicated in Col 9 of the table below and the landed value, in case the landed value at the time of importation is below the value indicated at Col.9.

S. No	Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	281511 281512	Caustic soda	Any Grade	Indonesia	Indonesia	M/s. P.T. Asahimas Chemical	M/s. Tricon Energy Ltd, USA	415.46	DMT	USD
2.	-do-	-do-	-do-	Indonesia	Indonesia	Any other than at S.No. 1 above		415.46	-do-	-do-
3.	-do-	-do-	-do-	Indonesia	Any country other than Chinese Taipei and EU (excluding France)	Any	Any	415.46	-do-	-do-
4.	-do-	-do-	-do-	Any country other than Chinese Taipei and EU (excluding France)	Indonesia	Any	Any	415.46	-do-	-do-
5.	-do-	-do-	-do-	EU(excluding France)	EU(excluding France)	Any	Any	415.46	-do-	-do-
6.	-do-	-do-	-do-	FU(excluding France)	Any country other than Indonesia and Chinese Taipei	Any	Any	415.46	-do-	-do-
7.	-do-	-do-	-do-	Any country other than Indonesia and Chinese Taipei	EU(excluding France)	Any	Any	415.46	-do-	-do-

85. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

86. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act."

R. GOPALAN, Designated Authority